▪ आषाढ़ कृष्ण - 6 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 317 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 17-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बता रही : ममता

6 उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

7 'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने निभाया 100 साल की महिला का किरदार

फर्स्ट टेक

जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

निकोसिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस की अपनी यात्रा संपन्न करने के बाद सोमवार को जी–7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ व्यापक वार्ता की और दोनों देशों के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की। मोदी तीन देशों साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। वह कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर अपनी यात्रा के दूसरे चरण के तहत रात को कैलगरी पहुंचेंगे, जहां वह कनानास्किस में जी–7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यह मोदी की एक दशक में कनाडा की पहली यात्रा है।

अफ्रीकी देश गिनी को 150 रेल इंजनों की आपूर्ति करेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मरहौरा में स्थित रेलवे लोकोमोटिव कारखाना अफ्रीकी देश गिनी को तीन साल के भीतर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 150 इंजनों की आपूर्ति करेगा। रेल मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 37 रेल इंजन गिनी को निर्यात किए जाएंगे जबकि अगले वित्त वर्ष में 82 और उसके अगले साल 31 इंजन भेजे जाएंगे। ये सभी इंजन मरहौरा स्थित रेलवे लोकोमोटिव कारखाने में बनाए जाएंगे। इसके लिए कारखाना परिसर में ब्रॉड गेज, स्टैंडर्ड गेज और केप गेज की पटरियां बिछाई गई हैं।

भारत ने उ. कोरिया में नया राजदूत नियुक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने उत्तर कोरिया में अपने नये राजदूत की नियुक्ति कर दी है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि पराग्वे की राजधानी असुनसियन स्थित भारतीय दूतावास के प्रभारी श्री ऐलावाती लोंगकुमेर को डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। आशा है कि वह जल्द ही नया कार्यभार संभाल लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने दो जुलाई 2021 को उत्तर कोरिया में अपना दूतावास बंद कर दिया था उस दौरान वहां अतुल गोतसुर्वे बतौर राजदूत तैनात थे। उत्तर कोरिया के साथ भारत के राजनयिक संपर्क मार्च 1962 में स्थापित किए गए थे। इसके अलावा उत्तर कोरिया में भारत का वाणिज्यिक दूतावास 1968 में स्थापित किया गया था। इसके बाद 10 दिसंबर 1973 को दोनों देशों के बीच में औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए गए थे।

भारत और साइप्रस ने आतंकवाद की निंदा की

रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

निकोसिया/भाषा। साइप्रस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को सोमवार को अटूट समर्थन दिया तथा दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय और सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की स्पष्ट रूप से निंदा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बीच व्यापक वार्ता के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया कि दोनों पक्षों ने शांति और स्थिरता को कमजोर करने वाले हाइब्रिड खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

घोषणापत्र में कहा गया, साइप्रस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता और अटूट समर्थन व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हाल में हुए जघन्य आतंकवादी हमलों में नागरिकों की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की। इसमें कहा गया, उन्होंने आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य–सहिष्णुता की नीति दोहराई तथा किसी भी परिस्थिति में ऐसे कृत्यों के लिए किसी भी कारण को अस्वीकार किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी।

संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया, साइप्रस और भारत ने अंतरराष्ट्रीय और सीमापार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की स्पष्ट रूप से निंदा की, तथा शांति और स्थिरता को कमजोर करने वाले हाइब्रिड खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने सभी देशों से अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करने का आग्रह किया तथा सभी प्रकार के सीमापार आतंकवाद की निंदा की।

घोषणा पत्र के मुताबिक, उन्होंने आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को ध्वस्त करने, सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करने, आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवाद के अपराधियों को शीघ्र न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया

निकोसिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय' से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, ''साइप्रस के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय' सम्मान प्राप्त करके मैं बहुत कृतज्ञ हूं। मैं इसे हमारे देशों के बीच की मित्रता को समर्पित करता हूं।'' साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने मोदी को सम्मानित किया।

सोलहवीं जनगणना के लिए अधिसूचना जारी

13,000 करोड़ रुपए का आ सकता है खर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। साल 2011 में हुई पिछली जनगणना के 16 साल बाद सरकार ने भारत की 16वीं जनगणना 2027 में कराने के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी की जिसमें जाति गणना भी शामिल होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 की संदर्भ तिथि से की जाएगी।

इसमें कहा गया, '' उक्त जनगणना के लिए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू– कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के बर्फ बारी वालों क्षेत्रों के अलावा बाकी राज्यों के लिए संदर्भ तिथि एक मार्च, 2027 को 00.00 बजे होगी।''

इसमें कहा गया है कि लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 को 00:00 बजे होगी।

देश भर से जनसंख्या संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराने का यह विशाल कार्य लगभग 34 लाख गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों तथा डिजिटल उपकरणों से लैस लगभग 1.3 लाख जनगणना कर्मियों द्वारा किया जाएगा। इसपर सरकार के 13 हजार करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है।

जातिगत गणना भी की जाएगी

एक सरकारी बयान में कहा गया है कि जनगणना के साथ ही जातिगत गणना भी की जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां केंद्रीय गृह सचिव, भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की।

हज यात्रियों को लखनऊ ले कर आए

विमान के पहियों से धुआं निकला, सभी यात्री सुरक्षित

लखनऊ/बलिया/भाषा। जेद्दा से 242 हाजियों को लेकर लखनऊ पहुंचे सऊदी एयरलाइंस के विमान के उतरते समय पहियों से धुआं निकलने के बाद यहां हवाई अड्डे पर अलार्म बज गया। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार यह घटना रविवार सुबह शहर के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। विमान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सूत्रों ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''जेद्दा से 242 हज यात्रियों को वापस ला रहे सऊदी विमान के पहियों से धुआं निकलता देखा गया।'' उन्होंने कहा, ''विमान बचाव और अग्निशमन (एआरएफएफ) टीम मौके पर पहुंची। सऊदी टीम के साथ मिलकर धुएं पर काबू पाया गया और विमान को होने वाले नुकसान को टाला गया।'' उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

बगैर पैसे के पहलगाम हमला संभव नहीं था : एफएटीएफ

नई दिल्ली/भाषा। आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य कार्यरत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर सोमवार को गंभीर चिंता जतायी और हमले की निंदा करते हुये कहा है कि पहलगाम और अन्य हालिया हमले पैसे और आतंकवादी समर्थकों के बीच धन स्थानांतरित करने के साधनों के बिना नहीं हो सकते थे। एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया जब भारत सीमा पार आंतकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उठा रहा है। सूत्रों का कहना है कि एफएटीएफ का यह बयान पाकिस्तान को फिर से ग्रेड सूची में डालने का जोखित पैदा कर सकता है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम में हमला कर 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

मनरेगा खत्म करने की कोशिश में मोदी सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के आवंटन में कटौती करके इसे खत्म करने की कवायद में जुटी है, जो संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार गरीबों की जीवन–रेखा मनरेगा को तड़पा–तड़पा कर ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम के अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़ अपराध है।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है, क्योंकि वो गरीबों की जेब से करीब 25,000 रुपए करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, मांग ज़्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं?''

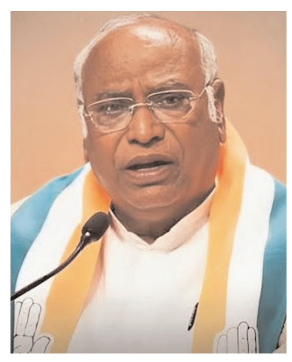

खरगे ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा, जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?'' उन्होंने कहा, ''सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य मांग के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा?

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7 प्रतिशत परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है?

खरगे ने पूछा, ''करीब 7 करोड़ पंजीकृत श्रमिकों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगाकर बाहर क्यों किया गया? 10 वर्षों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है?'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''मनरेगा पर ख़र्च रोकने की कुल्हाड़ी, हर ग़रीब के जीवन पर मोदी सरकार द्वारा किया गया गहरा आघात है। कांग्रेस पार्टी इसका घोर विरोध करेगी।''

अब यूपीआई से लेनदेन होगा और तेज

नई दिल्ली/भाषा। यूपीआई के जरिए लेनदेन सोमवार से और तेज होने जा रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने भुगतान के लिए प्रतिक्रिया समय को घटाकर 10 सेकंड कर दिया है। यूपीआई या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस एक तत्काल भुगतान प्रणाली है, जिसे एनपीसीआई ने मोबाइल फोन के जरिए बैंकों के बीच लेनदेन की सुविधा के लिए विकसित किया है। एनपीसीआई के हाल के परिपत्र के अनुसार धन हस्तांतरण, स्थिति जांच और वापसी सहित लेनदेन अब 30 सेकंड के बजाय 10 से 15 सेकंड में पूरे हो जाएंगे। इस तरह 16 जून से, यूपीआई भुगतान में पता सत्यापित करने में लगने वाला समय अब पहले के 15 सेकंड की तुलना में केवल 10 सेकंड लगेगा। एनपीसीआई ने कहा कि प्रतिक्रिया समय में संशोधन का मकसद ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। एनपीसीआई के एक अन्य परिपत्र के अनुसार, ग्राहक जल्द ही अपने यूपीआई ऐप के जरिए दिन में 50 बार अपने खाते का बैलेंस चेक कर सकेंगे। एक विशेषज्ञ के अनुसार अभी तक एक दिन में खाते की शेष राशि की जांच करने की कोई सीमा नहीं है और प्रणालीगत दक्षता को ध्यान में रखते हुए 50 की सीमा शुरू की गई है।

सूर्यास्त 17-06-2025	सूर्योदय 18-06-2025
6:36 बजे	5:43 बजे

BSE	NSE
81,796.15 (+677.55)	24,946.50 (+227.90)

सोना	चांदी
10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	120,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शस्त्र-दौड़

हम क्रेता प्रबल आयुधों के,
है सबल हमारा शस्त्रागार।
हिंसक फिर ना होगा कैसे,
जन–मन का नैतिक व्यवहार।
दुश्मन को भयभीत करें हम,
वो भी करते रहते वार।
धर्म अहिंसा सिर्फ किताबी,
कड़वा सच कर लें स्वीकार।।

ईरान ने इजराइल पर फिर किए मिसाइल हमले

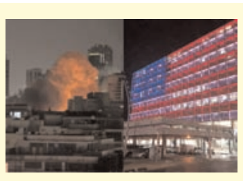

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को मामूली क्षति

तेल अवीव/एपी। तेल अवीव में अमेरिका के वाणिज्य दूतावास के पास गिरी ईरान की मिसाइल से उसे मामूली क्षति पहुंची है। अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हकाबी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि किसी अमेरिकी कर्मी को कोई चोट नहीं आयी है लेकिन तेल अवीव में वाणिज्य दूतावास और यरुशलम में दूतावास एहतियात के तौर पर दिनभर बंद रहेंगे। ईरान अपने सैन्य और परमाणु ठिकानों पर इजराइल के हमले के जवाब में उस पर मिसाइल हमले कर रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। ईरान ने सोमवार को इजराइल पर मिसाइलों के जरिये फिर से सिलसिलेवार हमले किए, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, इजराइल ने तेहरान के कुछ हिस्सों के निवासियों को नये हमले से पहले इलाका खाली कर देने को कहा है।

इजराइल का तेहरान के आसमान पर नियंत्रण

यह चेतावनी संघर्ष के चौथे दिन आई, जब इजराइली सेना ने दावा किया कि उसने ईरान की राजधानी पर ''हवाई श्रेष्ठता'' हासिल कर ली है और वह बिना किसी बड़े खतरे का सामना किए शहर के ऊपर से उड़ान भर सकती है। सेना ने हमलों से पहले गाजा और लेबनान के कुछ हिस्सों में नागरिकों के लिए इसी तरह की निकासी की अपील की है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि इजराइल का ''तेहरान के आसमान पर नियंत्रण है'' और कहा कि उनका देश ईरानी परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल खतरों को नष्ट करने के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ''राह पर'' है।

नेतन्याहू ने मध्य इजराइल में तेल नोफ एयरबेस की यात्रा के दौरान, तेहरान के हवाई क्षेत्र में आवाजाही की स्वतंत्रता का जिक्र करते हुए कहा कि ''यह पूरे अभियान में एक बदलाव है।''

इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज और इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के 'चीफ ऑफ स्टाफ' लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर भी उनके साथ थे।

नेतन्याहू ने कहा, ''वायुसेना का तेहरान के आसमान पर नियंत्रण है। हम अपने दो उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं: परमाणु खतरे को खत्म करना और मिसाइल खतरे को समाप्त करना।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम जीत की राह पर हैं और यह हासिल हो रहा है। हमारे वीर पायलटों और हमारे सैनिकों को धन्यवाद, जो अद्भुत काम कर रहे हैं।''

नेतन्याहू ने दावा किया कि इजराइल केवल ईरानी शासन के लक्ष्यों पर हमला कर रहा है, जबकि उसके आसमान में आने–जाने में कोई अड़चन नहीं है। वहीं, ईरान इजराइली नागरिकों पर हमला कर रहा है।

सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने भी कहा, ''इस समय हम कह सकते हैं कि हमने तेहरान के आसमान पर पूरी हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है।''

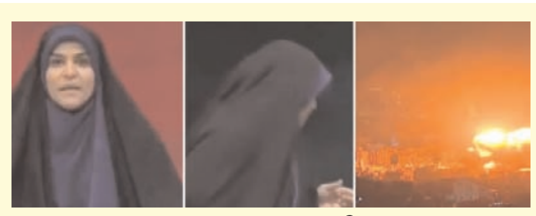

इजराइली हमले के बाद ईरानी सरकारी टेलीविजन ने सीधा प्रसारण रुका

तेल अवीव/एपी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने सोमवार को बताया कि इजराइली हमले के बाद सरकारी टेलीविजन ने सीधा प्रसारण अचानक रोक दिया। प्रसारण के दौरान एक ईरानी सरकारी टेलीविजन संवाददाता ने कहा कि मातृभूमि के खिलाफ (हो रही) आक्रमकता की आवाजों के आने के बाद स्टूडियो धूल से भर गया था। अचानक एक विस्फोट हुआ, जिससे उनके पीछे की स्क्रीन कट गई और वह कैमरे से दूर भागीं। शीघ्र ही पूर्व में रिकॉर्ड किए गए कार्यक्रमों का प्रसारण होने लगा।

इजराइल के विपक्षी नेता ने नेतन्याहू के ईरान अभियान का समर्थन किया

तेल अवीव (इजराइल)/एपी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा ईरान पर भीषण हमला शुरू करने से लगभग 24 घंटे पहले, इजराइल का विपक्ष उनकी सरकार को गिराने की योजना बना रहा था। अब, ईरान के खिलाफ चल रहे अभियान के कुछ ही दिनों बाद, विपक्ष ने नेतन्याहू और गाजा में युद्ध से निपटने के उनके तरीके के खिलाफ महीनों से की जा रही कटु आलोचना को स्थगित करते हुए, इस प्रयास के पीछे एकजुटता दिखानी शुरू कर दी है।

थोक महंगाई मई में घटकर 14 महीने के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में नरमी के बीच मई में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) घटकर 14 महीने के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत आ गई। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर तनाव के कारण कीमतें बढ़ सकती हैं।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 0.85 प्रतिशत और मई 2024 में 2.74 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा, ''...मुख्य तौर पर खाद्य उत्पादों, बिजली, अन्य विनिर्माण, रसायनों व रासायनिक उत्पादों, अन्य परिवहन उपकरणों और गैर-खाद्य वस्तुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही।'' थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मई में 1.56 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि अप्रैल में इनमें 0.86 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सब्जियों के दाम में भारी गिरावट आई। सब्जियां मई में 21.62 प्रतिशत सस्ती हुईं जबकि अप्रैल में इनकी कीमतें 18.26 प्रतिशत घटी थीं। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 2.04 प्रतिशत रही, जबकि अप्रैल में यह 2.62 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में भी मई में मुद्रास्फीति 2.27 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 2.18 प्रतिशत थी।

आरबीआई मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर छह वर्ष के निचले स्तर 2.82 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में नरमी रही। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। आरबीआई ने मुद्रास्फीति में नरमी के बीच इस महीने नीतिगत ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की भारी कटौती कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया था। रेटिंग एजेंसी इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के शीघ्र आगमन के बावजूद इसकी प्रगति जून के प्रारम्भ में ही रुक गई, जो 15 जून 2025 तक के सामान्य स्तर से 31 प्रतिशत कम रही। मानसून का अस्थायी एवं स्थानिक वितरण फसल के पूर्वानुमान व परिणामस्वरूप खाद्य मुद्रास्फीति के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ हैं उन्होंने कहा कि इज़राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद चालू महीने में कच्चे तेल की कीमतों में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

बेरोजगारी दर मई में बढ़कर 5.6 प्रतिशत पर, महिलाओं पर दिखा अधिक असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में मई के दौरान मौसमी उतार-चढ़ाव की वजह से बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल महीने में 5.1 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। बेरोजगारी दर में यह वृद्धि मुख्य रूप से मौसमी बदलावों और देश के कुछ हिस्सों में पड़ी अत्यधिक गर्मी के कारण देखने को मिली है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्ल्यूएस) सर्वेक्षण में दर्ज आंकड़ों से पता चलता है कि मई 2025 के दौरान सभी आयु वर्गों में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6% हो गई। सीडब्ल्यूएस सर्वेक्षण की तिथि से पहले के सात दिनों की अवधि में निर्धारित गतिविधियों को दर्शाता है। मंत्रालय ने रोजगार की स्थिति की सही तस्वीर दर्शाने के लिए पिछले महीने पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण जारी किया था। नवीनतम सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले महीने पुरुषों में बेरोजगारी दर 5.6% रही, जबकि महिलाओं में थोड़ी अधिक 5.8% थी। युवाओं पर बेरोजगारी की अधिक मार देखने को मिली है। मई में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 15-29 आयु वर्ग के लिए बढ़कर 15% हो गई जबकि अप्रैल में यह 13.8% थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल के 17.2% से बढ़कर मई में 17.9% हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह पिछले महीने के 12.3% से बढ़कर 13.7% तक पहुंच गई। खासकर, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर पूरे देश में बढ़कर 16.3 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 14.4 प्रतिशत थी। पुरुषों में इसी आयु वर्ग के लिए यह दर 13.6 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो गई। आंकड़ों से यह भी सामने आया है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) मई में घटकर 54.8 प्रतिशत रह गई जो अप्रैल में 55.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में भागीदारी दर 58 प्रतिशत से घटकर 56.9 प्रतिशत रह गई जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 50.7 प्रतिशत से घटकर 50.4 प्रतिशत पर रही। महिला श्रमबल भागीदारी दर में गिरावट खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थायी कामगारों और अवैतनिक सहायकों के रूप में काम करने वाली महिलाओं की संख्या में गिरावट से जुड़ी है।

कुल जनसंख्या में कार्यरत लोगों के अनुपात को दर्शाने वाला श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) राष्ट्रीय स्तर पर मई में 51.7 प्रतिशत दर्ज किया गया जबकि अप्रैल में यह 52.8 प्रतिशत था। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में डब्ल्यूपीआर 54.1 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 46.9 प्रतिशत रहा।

सांख्यिकी मंत्रालय ने बताया कि एलएफपीआर और डब्ल्यूपीआर में गिरावट और बेरोजगारी दर में वृद्धि मुख्य रूप से मौसमी कृषि रुझानों के कारण हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में रबी फसलों की कटाई खत्म होने से कृषि गतिविधियां सीमित हो गईं जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की रोजगार उपलब्धता पर असर पड़ा। इसके अलावा मई में देश के एक बड़े इलाके में अधिक गर्मी पड़ने से भी शारीरिक श्रम से जुड़ी गतिविधियां सीमित हो गईं। मंत्रालय ने कहा कि मासिक पीएलएफएस अनुपात में बदलाव मौसमी, शैक्षणिक और श्रम बाजार से जुड़े कारकों के संयोजन के कारण अपेक्षित हैं, और यह जरूरी नहीं कि दीर्घकालिक रुझानों को दर्शाता हो।

हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी के कारण पीयूष गोयल ने आंध्र प्रदेश में हवाई सर्वेक्षण स्थगित की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को आंध्र प्रदेश में एक नए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) 'क्रिससिटी' का हवाई सर्वेक्षण स्थगित कर दिया, क्योंकि उनके उड़ान के लिए नियुक्त हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। तिरुपति जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी. हर्षवर्धन राजू ने कहा कि तकनीकी खराबी के बारे में सूचित किए जाने के बाद गोयल ने सर्वेक्षण की अपनी योजना रद्द कर दी। राजू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''तकनीकी समस्या (खराबी) के कारण उन्होंने इसे (सर्वेक्षण) रद्द कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री तिरुचनूर मंदिर में जब पूजा कर रहे थे, तभी उन्हें इस मामले की जानकारी दी गई। एसपी के अनुसार, गोयल ने सुबह पहले तिरुमला मंदिर में दर्शन किया, इसके बाद उन्होंने तिरुचनूर मंदिर की यात्रा की। राजू ने बताया कि अपना सर्वेक्षण रद्द करने के बाद गोयल दोपहर के समय विशेष उड़ान से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। जिस हेलीकॉप्टर में खराबी आई, माना जाता है कि उसका इस्तेमाल मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू नियमित रूप से करते हैं। इस बीच, खुफिया विभाग के अधिकारी तकनीकी खराबी के मामले की जांच कर रहे हैं।

फडणवीस ने 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को पालघर में 'प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करने के वास्ते कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहित आधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है।

एक समारोह में मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की और राज्य के 32 जिलों की जनजातीय आबादी को लक्षित करते हुए कई विकास योजनाओं की घोषणा की।

इस कार्यक्रम में उद्योग के लिये प्रासंगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना के तहत कई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि कुल 57 कंपनियों ने मिलकर कौशल प्रशिक्षण के लिए साझेदारी की है और इस प्रशिक्षण में खास ध्यान कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर दिया जा रहा है तथा यह पूरा कार्यक्रम सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग के साथ मिलकर चलाया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, हम भविष्य के लिए तैयार होने जा रहे हैं। कुछ लोगों की मानसिकता यह है कि वे बिना प्रशिक्षण के रोजगार चाहते हैं। यह काम नहीं करेगा। हमने पहले दिन से ही एआई और अन्य महत्वपूर्ण कौशलों में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, क्योंकि नौकरियों के लिए इसकी आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रेन ऑपरेटर प्रशिक्षण भारत में अपनी तरह का पहला प्रशिक्षण है और यह जिले में विशाल वाढवण बंदरगाह के संबंध में शुरू किया जाएगा, ताकि इसके परिणामस्वरूप रोजगार में वृद्धि का प्राथमिक लाभार्थी यहां के निवासी बन सकें।

'प्रधानमंत्री धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' को आजादी के बाद आदिवासियों के लिए सबसे बड़ा कार्यक्रम बताते हुए फडणवीस ने आदिवासी समुदाय के स्वतंत्रता सेनानियों को लंबे समय से प्रतीक्षित सम्मान दिलाने और उनकी विरासत को हर गांव तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। इस अवसर पर फडणवीस ने महाराष्ट्र बांस मिशन की भी शुरुआत की।

मोदी सरकार के 11 साल व दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर भाजपा ने आयोजित की प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष और दिल्ली सरकार के 100 दिन पर सोमवार को संयुक्त रूप से एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

दिल्ली भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में पिछले 11 वर्षों में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। यह प्रदर्शनी दिल्ली में नवगठित भाजपा सरकार द्वारा पिछले 100 दिनों में की गई प्रगति की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पुरी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल को न केवल इन 100 दिनों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए, बल्कि आगामी दिनों के लिए निर्धारित उपलब्धियों के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा, यमुना, कूड़े के पहाड़ और दिल्ली में वायुमण्डलीय प्रदूषण की समस्या का प्रभावी समाधान किया जा रहा है और शीघ्र ही अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है।

ओवैसी ने मुख्यमंत्री नायडू से 'संन्यास लेने' और लोकेश को कमान सौंपने का आग्रह किया

अमरावती/भाषा। नारा लोकेश को तेलुगु देशम पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की अटकलों के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को सलाह दी कि वह संन्यास लेकर अपने मंत्री बेटे को कमान सौंप दें। रविवार रात कुरनूल जिले के अदोनी में एक बैठक को संबोधित करते हुए ओवैसी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर भी तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि यह मुसलमानों के अधिकारों का उल्लंघन करेगा। उन्होंने सलाह दी, मैं आपको बता रहा हूं, चंद्रबाबू नायडू, आप लोकेश का भविष्य (राजनीतिक) बर्बाद कर रहे हैं। वैसे भी आपके बाद आपका बेटा ही (उत्तराधिकारी के रूप में) पद संभालेगा। जूनियर एनटीआर तो नहीं आएंगे न? क्या वह आएंगे? आप लोकेश को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आप (मुख्यमंत्री नायडू) पहले ही नौ साल तक आंध्र प्रदेश (अविभाजित) के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। पांच साल तक आंध्र प्रदेश (विभाजित) के मुख्यमंत्री रहे। बस, बहुत हो गया, अब अपने बेटे का ख्याल रखिए (बागडोर सौंप दीजिए)। कुछ मंत्रियों सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की राय है कि उत्तराधिकार योजनाओं का संकेत देते हुए लोकेश को तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया जाना चाहिए। यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि हाल ही में हुई पार्टी की बैठक महानाडु में लोकेश की पदोन्नति की घोषणा की जाएगी। हालांकि, पार्टी की ओर से ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई।

नमो भारत ट्रेन में 20 प्रतिशत अतिरिक्त किराए पर मिलेंगी 'प्रीमियम' सेवाएं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने संशोधित किराया जारी करते हुए कहा कि मानक किराये से सिर्फ 20 प्रतिशत अधिक भुगतान करके नमो भारत रेलगाड़ियों में 'प्रीमियम' सुविधाओं के साथ यात्रा की जा सकती है।

एनसीआरटीसी ने कहा कि प्रीमियम कोच का किराया मानक कोच के मुकाबले 1.2 गुना कम कर दिया गया है। इसका मतलब है कि 100 रुपए की कीमत वाले मानक टिकट को केवल 20 रुपए देकर प्रीमियम कोच में बदला जा सकता है।

संशोधित किराया चुनिंदा स्टेशनों पर प्रीमियम लाउंज तक पहुंच के साथ आरामदायक और कम भीड़भाड़ वाली यात्रा का विकल्प प्रदान करता है। एनसीआरटीसी ने कहा कि प्रीमियम कोच में न्यू अशोक नगर और मेरठ दक्षिण के बीच यात्रा अब 180 रुपए में हो सकेगी, जबकि मानक कोच में 150 रुपए लगते हैं।

प्रीमियम कोच में गाजियाबाद से आनंद विहार की यात्रा का किराया अब 50 रुपए है, जबकि मानक किराया 40 रुपए है। इसी तरह गलियारे के अन्य मार्गों पर भी समायोजित किराया लागू किया गया है।

एनसीआरटीसी ने कहा कि इस बदलाव को यात्रियों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और वे उन्नत सेवा का विकल्प चुन रहे हैं।

दुर्लभ खनिज आयात मुद्दे पर चीन से बातचीत के सकारात्मक नतीजे की उम्मीद: बर्थवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत को वाहनों में इस्तेमाल होने वाले दुर्लभ खनिज चुंबक पर लगाए चीन के प्रतिबंध के बीच उसके साथ संवाद से कोई सकारात्मक परिणाम निकलने की उम्मीद है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही।

चीन ने दुर्लभ खनिज और संबंधित चुंबकों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है जिससे घरेलू वाहन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। वाहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले दुर्लभ खनिज चुंबकों के आयात के लिए चीन से मंजूरी को लेकर सरकार से समर्थन मांगा है।

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि चीन के प्रतिबंध सभी देशों के खिलाफ लगे हैं और केवल भारत के ही खिलाफ नहीं लगे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्र पर इसके अधिक असर को देखते हुए सरकार वाहन विनिर्माताओं के निकाय सियाम और वाहन कलपुर्जा विनिर्माता निकाय एक्मा दोनों के साथ बातचीत कर रही है। बर्थवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम उन्हें चीन में अपने समकक्ष निकायों के साथ चर्चा करने में मदद कर रहे हैं और कूटनीतिक स्तर पर विदेश मंत्रालय एवं वाणिज्य विभाग ने भी वहां के राजदूत से बात की है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चीन के साथ कूटनीतिक और वाणिज्यिक दोनों तरह की चर्चा चल रही है। बर्थवाल ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं कि आयात की ये आवश्यक वस्तुएं भारत आ सकें। मुझे लगता है कि इस कूटनीतिक और वाणिज्यिक संवाद का सकारात्मक परिणाम निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन ने एक ऐसी व्यवस्था लाई है, जिसमें शायद लाइसेंस की जरूरत होगी, इसलिए हम अपने आयातकों और अपनी वाहन कंपनियों को हर संभव तरीके से सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

जनजातीय कल्याण के लिए आवंटित धनराशि प्रायः संबंधित विभाग खर्च नहीं कर पाता : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को दावा किया कि जनजातीय कल्याण के लिए सरकार द्वारा आवंटित धनराशि अक्सर संबंधित विभाग द्वारा खर्च नहीं की जाती है।

पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सत्तारूढ़ दलों के राजनीतिक हितों के लिए ऐसे विभागों की निधि के साथ समझौता किया जाता है, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री था, तो मैंने महाराष्ट्र के बजट में आदिवासियों के समग्र विकास के लिए नौ प्रतिशत धनराशि आवंटित की थी। यद्यपि जनजातीय कल्याण के लिए एक निश्चित राशि स्वीकृत की जाती है, लेकिन इस निधि को अक्सर संबंधित विभाग द्वारा खर्च नहीं किया जाता है, जो एक त्रासदी है। पवार ने 2024-25 के राज्य बजट में 'आदिवासियों के लिए बजटीय प्रावधान और व्यय' का विश्लेषण करने वाली एक पुस्तिका का विमोचन किया। यह पुस्तिका पवार की अध्यक्षता वाले 'यशवंतराव चव्हाण केंद्र' के जनजातीय विकास केंद्र द्वारा तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पुस्तिका के माध्यम से इसका गहराई से अध्ययन करने तथा इसके पीछे के कारणों को जानने का ईमानदार प्रयास किया गया है।

दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला एअर इंडिया का विमान तकनीकी समस्या के बाद एक घंटे में हांगकांग लौटा

मुंबई/भाषा। एअर इंडिया के एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के दिल्ली के लिए उड़ान भरने के एक घंटे के भीतर उसमें तकनीकी समस्या का संदेह होने के बाद सोमवार को उसे हांगकांग लौटना पड़ा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उड़ान संख्या एआई 315 हांगकांग में सुरक्षित तरीके से उतरी और सभी यात्री भी उसमें से उतर चुके हैं। विमान का निरीक्षण किया जा रहा है।

उड़ान हांगकांग से दोपहर 12.16 बजे (स्थानीय समयानुसार) रवाना हुई और इसे भारतीय समयानुसार दोपहर 12.20 बजे दिल्ली में उतरना था। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार.कॉम' के अनुसार, यह उड़ान लगभग 3.5 घंटे की देरी से रवाना हुई थी। इसका निर्धारित प्रस्थान समय सुबह 8.50 बजे था। एअर इंडिया ने कहा, ''सोलह जून 2025 को हांगकांग से दिल्ली के लिए प्रस्थान करने वाली उड़ान संख्या एआई315 तकनीकी समस्या के कारण उड़ान भरने के कुछ समय बाद हांगकांग लौट गई। विमान हांगकांग में सुरक्षित रूप से उतरा और एहतियात के तौर पर इसकी जांच की जा रही है। यात्रियों को उनके गंतव्य दिल्ली तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की योजना बनाई गई है।'' उसने कहा, ''हम इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए यात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।'' हवाई अड्डा प्राधिकरण हांगकांग के प्रवक्ता ने कहा, एअर इंडिया द्वारा हांगकांग से नई दिल्ली के लिए संचालित यात्री उड़ान, एआई315, हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौट गई।

टाटा संस के चेयरमैन ने एयर इंडिया के कर्मचारियों से कहा,

आगे बढ़ते रहने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया के कर्मचारियों से सोमवार को कहा कि उन्हें आगे बढ़ते रहना चाहिए और जो कुछ भी हम करते हैं, उसमें दृढ़ निश्चयी होना चाहिए। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एयर इंडिया के एक विमान के अहमदाबाद में पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त होने के मद्देनजर उन्होंने यह बात कही और इस दुर्घटना को अपने 'करियर' का सबसे दिल दहला देने वाला संकट बताया। चंद्रशेखरन ने गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया मुख्यालय एवं एयर इंडिया प्रशिक्षण अकादमी में करीब 700 कर्मचारियों व नेतृत्व दल को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों को दृढ़ता दिखाने की जरूरत है और इस घटना से सबक लेते हुए एक 'सुरक्षित विमानन कंपनी' बनाने की राह पर बढ़ना चाहिए। सूत्रों ने चंद्रशेखरन के हवाले से कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम आगे बढ़ते रहें। हम जो भी करें, उसमें और दृढ़ निश्चयी रहें। हमें जांच के पूरी होने का इंतजार करना होगा, ताकि घटना के कारणों का पता चल सके।''

सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा, ''मैंने अपने करियर में काफी संकट देखे हैं, लेकिन यह सबसे दुखद घटना है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऐसा दिन देखना पड़ेगा।'' एयर इंडिया का विमान - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर 12 जून को लंदन के लिए उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 270 से अधिक लोगों की मौत हो गई। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने रविवार को दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की थी।

सूत्रों के अनुसार चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया मुख्यालय में आपातकालीन कमांड सेंटर, एकीकृत संचालन कमांड सेंटर और ग्राहक सेवा तथा सहायता केंद्र का दौरा किया। उन्होंने कर्मचारियों से कहा, ''मैं जो कुछ भी कहूंगा और जो कुछ भी करूंगा, उससे लोगों की जान वापस नहीं आएगी। जो लोग प्रभावित हुए हैं, वे बहुत लंबे समय तक दर्द महसूस करेंगे। लेकिन हमें उनमें से प्रत्येक की मदद करने के लिए मानवीय रूप से जितना संभव हो सबसे अच्छा प्रयास करना होगा।''

चंद्रशेखरन ने कहा, ''यह इस बारे में बात करने का समय नहीं है कि हम क्या करेंगे, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि हम उन सभी लोगों को हमेशा के लिए अपना परिवार मानेंगे, जिन्होंने किसी को खो दिया है।'' उन्होंने कर्मचारियों से मजबूत बनने का आग्रह किया और कहा कि इस दुर्घटना के बाद एक सुरक्षित एयरलाइन बनाने का संकल्प लेना होगा।

जिलाधिकारी ने इंद्रायणी नदी पर बने पुल को खतरनाक घोषित किया था : फडणवीस

पालघर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि पुणे में इंद्रायणी नदी पर बने लोहे के पुल को जिलाधिकारी ने खतरनाक घोषित किया था और उस पर चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार दोपहर ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गई थी और 18 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये थे। बत्तीस साल पुराना यह लोहे का पुल उस पर अधिक संख्या में पर्यटकों के मौजूद होने के कारण ढह गया था। पालघर में एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि मावल तहसील में घटनास्थल पर एक नया पुल बनाने का ठेका दिया गया था और काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुल को घटना से पहले ही जिलाधिकारी ने खतरनाक घोषित कर दिया था और ग्रामीणों ने भी चेतावनी बोर्ड लगाए थे। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को पुल की स्थिति की गंभीरता का शायद पता नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने मानसून के मौसम के लिए पुणे जिले में पुलों तथा जलाशयों समेत 500 खतरनाक स्थानों की पहचान की थी।

पश्चिमी घाट क्षेत्र में लगातार बारिश से बांधों का जलस्तर बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेज होने से तमिलनाडु के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। खासकर पश्चिमी घाट क्षेत्र में बारिश ने परेशानी बढ़ा दी है। इसके कारण तिरुनेलवेली जिले के बांधों में जलस्तर काफी बढ़ गया है। पश्चिमी घाट क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण इन बांधों में जलस्तर और बढ़ने की उम्मीद है। जानकारी के मुताबिक, पिछले तीन दिनों में पापनासम डैम का जलस्तर 6 फीट बढ़कर 130.20 फीट पर पहुंच गया है। बांध में प्रति सेकंड 5222 क्यूबिक फीट पानी आ रहा है और सिंचाई के लिए प्रति सेकंड 1400 क्यूबिक फीट पानी छोड़ा जा रहा है। पिछले तीन दिनों में सर्वलार डैम का जलस्तर 10 फीट बढ़कर 142.12 फीट पर पहुंच गया। मणिमुथर डैम का जलस्तर 94 फीट पर है, जिसमें 619 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड का इनफ्लो और सिंचाई के लिए 75 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड का आउटफ्लो है। इसके पहले बारिश के चलते तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित होने वाला लोकप्रिय इकोटूरिज्म कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। ये कार्यक्रम हर शनिवार, रविवार और त्यौहारी छुट्टियों पर आयोजित होता है, जिसके लिए पर्यटकों को पहले से बुकिंग करानी पड़ती है।

कोयंबटूर जिले के मेट्टुपलायम में भवनिया नदी पर स्थित पिल्लूर डैम के जलाशय क्षेत्र परालीकाड में 2007 से लगातार इकोटूरिज्म कार्यक्रम रखा जाता है, जो 14 जून को रद्द कर दिया गया। मौसम विभाग ने कोयंबटूर और नीलगिरी जिलों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी। मौसम का ऑरेंज अलर्ट जारी होने के बाद वन विभाग ने कार्यक्रम रद्द करने का फैसला लिया।

इकोटूरिज्म का मुख्य आकर्षण डैम के जलाशय में स्थानीय नावों से की जाने वाली यात्रा है, जो जंगल के बीच झील जैसा दृश्य पेश करती है। पर्वतीय चोटियों और घने जंगलों के बीच बसे इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को खूब लुभाती है। हालांकि, भारी बारिश की संभावना के चलते एहतियातन 14 और 15 जून को इकोटूरिज्म कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा की गई।

अवलोकन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तंजावुर में सोमवार को एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान तंजावुर हेरिटेज प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

द्रमुक पीएमके को कमजोर करने का प्रयास कर रही है : अंबुमणि रामदास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काच्चि (पीएमके) नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने सोमवार को दावा किया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को पीएमके के कार्यकर्ताओं का अनुशासन और जनता के बीच पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता रास नहीं आ रही है, इसी कारण वह पीएमके को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, रामदास ने राज्य की सत्तारूढ़ सरकार पर आरक्षण के मुद्दे पर वन्नियार समुदाय को 'धोखा' देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित हुए पीएमके युवा सम्मेलन की महत्ता और उसमें शामिल कार्यकर्ताओं के अनुशासित व्यवहार को देखकर द्रमुक आश्चर्यचकित है। कांचीपुरम जिले में एक बैठक में पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए अंबुमणि ने कहा, द्रमुक पीएमके को इसलिए कमजोर करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि उसे हमारे कार्यकर्ताओं का अनुशासन और पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता रास नहीं आ रही है। इसके अलावा, सम्मेलन के दौरान मैंने द्रमुक पर वन्नियार समुदाय को आरक्षण के वादे पर धोखा देने का आरोप लगाया था।

उन्होंने कहा, द्रमुक की नाराजगी पूरे वन्नियार समुदाय से 2026 के विधानसभा चुनाव में द्रमुक के खिलाफ वोट देने की मेरी अपील के कारण भी है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को डर है कि वन्नियार समुदाय आगामी विधानसभा चुनाव में द्रमुक के खिलाफ मतदान करेगा।

आशीर्वाद — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तंजावुर में दुरई. पांडियन के भाई दुरई. चंद्रशेखरन और थानुश्री की बेटी के विवाह समारोह में भाग लेकर वर वधू को आशीर्वाद देते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

अदालत के निर्देश के बाद तमिलनाडु के एडीजीपी अपहरण मामले में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने अपहरण के एक मामले में एडीजीपी रैंक के एक अधिकारी को गिरफ्तार करने का तमिलनाडु पुलिस को सोमवार को मौखिक रूप से निर्देश दिया और कुछ ही मिनटों बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। न्यायमूर्ति पी. वेलमुरुगन ने यह निर्देश विधायक एम. जगन मूर्ति द्वारा दायर एक अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवायी करते हुए दिया, जिन्हें मामले में गिरफ्तारी की आशंका थी। वह किल्वैथिनंकुप्पम (आरक्षित) सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक संगठन के प्रमुख हैं।

सहायक पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एच. एम. जयराम को अदालत भवन से बाहर आते ही गिरफ्तार कर लिया गया। न्यायाधीश ने विधायक को भी फटकार लगायी। सोमवार को जब मामला सुनवायी के लिए आया, तो न्यायाधीश ने पुथिया भारतम काची के नेता मूर्ति और एडीजीपी जयराम को मौखिक रूप से दोपहर में अदालत में पेश होने के लिए सम्मन किया। तदनुसार दोनों अदालत में पेश हुए। जयराम की सरकारी कार का कथित तौर पर अपहरण के लिए इस्तेमाल किया गया था।

न्यायाधीश ने जगन मूर्ति से पूछा कि विधायक बनने के लिए उन्हें कितने वोट मिले थे। मूर्ति ने जवाब दिया कि उन्हें करीब 80,000 वोट मिले थे और वे 10,000 मतों के अंतर से जीते थे। इस पर न्यायाधीश ने कहा कि लोगों ने उनके पक्ष में वोट उनकी सेवा करने के लिए दिया था, न कि अवैध अदालतें (कंगारू कोर्ट) लगाने के लिये। उन्होंने मूर्ति से कहा कि वह विधानसभा में जाएं और जनता की समस्याओं को सदन में उठाएं तथा उनका समाधान करने का प्रयास करें।

न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा, आप न केवल उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्होंने आपको वोट दिया है, बल्कि आप पूरे निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अदालत ने कहा कि अगर कोई आम आदमी किसी शिकायत के साथ विधायक के पास आता है, तो उन्हें उनकी मदद करने की कोशिश करनी चाहिए। अतिरिक्त लोक अभियोजक की इस दलील की ओर इशारा करते हुए कि जब पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने गई, तो करीब 2,000 लोगों ने उनके घर को घेर लिया, न्यायाधीश ने कहा कि यह ठीक नहीं है। न्यायाधीश ने कहा, आप अपने साथ इतने लोग क्यों चाहते हैं। आप विधायक हैं। आप घबरा क्यों रहे हैं। न्यायाधीश ने विधायक से पूछताछ में सहयोग करने को कहा। न्यायाधीश ने ये टिप्पणियां मौखिक रूप से कीं। अदालत ने पुलिस को एडीजीपी जयराम को गिरफ्तार करने का निर्देश भी दिया।

न्यायाधीश ने कहा कि विधायक और पुलिस की बराबरी नहीं की जा सकती, क्योंकि पुलिस एक लोक सेवक है। न्यायाधीश ने कहा कि अदालत सभी लोक सेवकों को संदेश देना चाहती है। न्यायाधीश ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा कि चूंकि दो आरोपियों ने एडीजीपी के खिलाफ इकबालिया बयान दिया है, इसलिए उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। न्यायाधीश ने मामले की अगली सुनवाई 26 जून को निर्धारित की।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुचिरापल्ली के मेकपरपराई सरकारी आदि द्रविड़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा टी. रागिनी को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीएलएटी)पास करने और धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर में अध्ययन के लिए चयनित होने पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्रा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और अपनी कलम भेंट की। इस अवसर पर नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू और कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोशी भी उपस्थित थे।

उच्चतम न्यायालय में तमिल भाषा को भी अनुमति मिलनी चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि तमिल भाषा को भी उच्चतम न्यायालय में अदालती भाषा के रूप में इस्तेमाल की अनुमति दी जानी चाहिए।

एक विवाह समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 1967 में दिवंगत मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई के नेतृत्व वाली पहली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने सुधारवादी, आत्म-सम्मान (धर्मनिरपेक्ष विवाह जिसमें कोई अनुष्ठान नहीं किया जाता है और न ही पुजारी द्वारा रस्मों को संपन्न कराया जाता है) विवाहों को कानूनी रूप से वैध बनाया था। दूल्हा और दुल्हन द्रमुक परिवारों से हैं। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आर. महादेवन और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश द्वारा तमिल में भाषण दिए जाने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में भी तमिल भाषा को अदालती भाषा के रूप में प्रयोग की अनुमति दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात लगातार कही जा रही है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि निर्णय तमिल भाषा में भी दिए जा रहे हैं।

स्टालिन ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और मद्रास उच्च न्यायालय में तमिल भाषा में बहस की अनुमति दी जानी चाहिए और यह मांग लंबे समय से की जा रही है। उन्होंने न्यायाधीशों से इस मुद्दे पर समर्थन का अनुरोध किया। इस अवसर पर मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बी. पुगलेंधी भी उपस्थित थे।

शुभारंभ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई व्यापक मिनी बस योजना-2024 के हिस्से के रूप में, तंजावुर के किंग सरबोजी सरकारी कॉलेज के खेल के मैदान में सोमवार को आयोजित एक सरकारी समारोह में नई मिनी बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस सेवा से तमिलनाडु भर में 3,103 मिनी बस मार्गों का शुभारंभ किया जाएगा। जिससे उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को लाभ मिल सके जहां बस सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस अवसर पर नगर प्रशासन मंत्री के. एन. नेहरू, कृषि-किसान कल्याण मंत्री एम. आर. के. पन्नीरसेल्वम, परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री एस. एस. शिवशंकर, उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेलियन, स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी, दिल्ली में तमिलनाडु सरकार के विशेष प्रतिनिधि ए. घोस, विजयन, सांसद त्रिची शिवा, कल्याण सुंदरम, मुरासोली सहित अनेक विधायक एवं उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

केरल में जलते हुए मालवाहक जहाज का मलबा तट पर आया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा/कोच्चि/भाषा। सिंगापुर ध्वज वाले मालवाहक जहाज एमवी वान हाई 503, जिसमें एक सप्ताह पहले केरल के तट के पास आग लग गई थी उसका एक कंटेनर और एक जीवनरक्षक नौका सोमवार को अलप्पुझा जिले में किनारे पर आ गए, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि आने वाले दिनों में और अधिक मलबा तट तक पहुंच सकता है। अधिकारियों ने बताया कि कंटेनर संभवतः खाली था, यह कंटेनर और जीवनरक्षक नौका कक्काझोम क्षेत्र के निकट पाए गए।

घटनास्थल का दौरा करने वाले अलप्पुझा के जिलाधिकारी एलेक्स वर्गीस ने कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और शिपिंग कंपनी को सूचित कर दिया गया है। बचाव दल इन वस्तुओं को हटाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया है और वे आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करेंगे।

इस घटना से यह आशंका पैदा हो गई है कि 17 और 18 जून को अलप्पुझा और एर्नाकुलम तटों पर अतिरिक्त कंटेनर बहकर आ सकते हैं। इस बीच, रक्षा सूत्रों ने बताया कि मालवाहक जहाज को फिलहाल जहाज के मालिक द्वारा नियुक्त पेशेवर बचावकर्मी ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहाज के दो या तीन हिस्सों में अभी भी मामूली आग दिखाई दे रही है तथा धुआं उठ रहा है। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के जहाज घटनास्थल पर मौजूद हैं और स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। सिंगापुर के झंडे वाले इस जहाज में पिछले सोमवार को एक कंटेनर में विस्फोट होने के बाद आग लग गई थी। जहाज पर सवारचालक दल के 22 सदस्यों में से 18 को बचा लिया गया था जबकि चार लापता हैं।

अवैध करंट वाले तार जाल की चपेट में आकर किसान की मौत

अलप्पुझा/भाषा। केरल के अलप्पुझा जिले में सोमवार सुबह 68 वर्षीय एक किसान की मौत उस समय हो गई जब वह जंगली सूअर पकड़ने के लिए अवैध रूप से बिछाए गए करंट वाले जाल की चपेट में आ गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान थमाराकुलम निवासी शिवनकुट्टी के रूप में हुई है। यह घटना उस समय घटी जब वह सुबह अपने खेत जा रहे थे और इसके लिए उन्हें अपने पड़ोसी के खेत को पार करना पड़ा।

पुलिस ने बताया कि पड़ोसी के खेत में जंगली सूअरों को पकड़ने के उद्देश्य से जाल लगाया गया था, लेकिन जब किसान उसके संपर्क में आए, तो उन्हें जोरदार करंट लगा जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पड़ोसी ने शुरुआत में घायल किसान को अस्पताल पहुंचाने में मदद की, लेकिन बाद में वह फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अलप्पुझा के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है।

आकाशवाणी चेन्नई ने मनाई 87वीं वर्षगांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक आकाशवाणी चेन्नई ने सोमवार को चेन्नई स्टेशन परिसर में आयोजित एक साधारण किन्तु भावपूर्ण समारोह के साथ अपनी 87 वीं वर्षगांठ का गौरवपूर्वक जश्न मनाया। इस अवसर पर आकाशवाणी (तत्कालीन ऑल इंडिया रेडियो) के वरिष्ठ उद्घोषक और सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे, उन्होंने यादें साझा कीं और पूर्व सहकर्मियों से बातचीत की।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, कार्यालय प्रमुख एम. वासुकी और कार्यक्रम प्रमुख रमेश बाबू ने अन्य स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर एक विशेष वर्षगांठ केक काटा। पूरे दिन विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रसारित की गई, जो स्टेशन की समृद्ध विरासत और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवा प्रसारण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आरएसएस नेताओं की तस्वीरों को लेकर एसएफआई ने केरल राजभवन के सामने प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र शाखा स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के आधिकारिक आवास पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं की तस्वीरें लगाए जाने के खिलाफ सोमवार को राजभवन के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग ने राज्यपाल के सरकारी आवास के परिसर में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें तुरंत रोक दिया।

हाल में राजभवन में भारत माता के साथ आरएसएस के संस्थापक के बी हेडगेवार और विचारक गोलवलकर की तस्वीरें लगाए जाने के बारे में खबरें आई थीं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के खिलाफ नारे लगाते हुए एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में महात्मा गांधी और बी आर आंबेडकर की तस्वीरें ले रखी थीं और उन्हें राजभवन परिसर की दीवारों पर चिपकाने पर जोर दिया। पुलिस वाहन में जबरन ले जाए जाने के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को यह कहते हुए सुना गया कि राजभवन राज्यपाल की निजी संपत्ति नहीं है।

इससे पहले एसएफआई के प्रदेश सचिव संजीव पी एस ने फेसबुक पर पोस्ट में आर्लेकर को आरएसएस नेता बताया और कहा कि राजभवन उनकी पैतृक संपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कोई अन्य विवरण नहीं दिया। यह विवाद ऐसे समय में शुरू हुआ है जब कुछ दिनों पहले राजभवन में पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भारत माता के चित्र का इस्तेमाल किया गया था। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में दूसरी सबसे बड़ी गठबंधन सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेतृत्व ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने वाले भाकपा नेता और कृषि मंत्री पी प्रसाद ने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग आधिकारिक कार्यक्रमों को राजनीतिक कार्यक्रमों में नहीं बदल सकते। माकपा नेता और राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने भी इसी तरह का विचार व्यक्त किया। हालांकि, राज्यपाल ने इस कदम को उचित ठहराया और स्पष्ट किया, ''चाहे किसी भी तरफ से दबाव क्यों न हो, भारत माता पर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।''

चेन्नई ओपन की तीन साल बाद डब्ल्यूटीए कैलेंडर में वापसी

चेन्नई। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) ने सोमवार को घोषणा की कि भारत तीन साल बाद डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट चेन्नई ओपन की मेजबानी करेगा जिसका मुख्य ड्रॉ 27 अक्टूबर से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट पिछली बार 2022 में डब्ल्यूटीए कैलेंडर में शामिल किया गया था जब चेक गणराज्य की लिंडा फ्रुहविर्टोवा एकल चैंपियन बनी थीं।

टीएनटीए के अध्यक्ष विजय अमृतराज ने कहा, आखिरकार तमिलनाडु सरकार और एसडीएटी (तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण) के मजबूत समर्थन की बदौलत चेन्नई में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल/टेनिस प्रतियोगिता को लाने के हमारे प्रयास सफल हुए। उन्होंने कहा, ''इस प्रतियोगिता का प्रसारण प्रमुख खेल चैनल पर किया जाएगा। मैं इस आयोजन को सफल बनाने में चेन्नई के खेल प्रेमियों की उत्साही भागीदारी की आशा करता हूं।''

समर्थन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में कोच्चि-कोयंबटूर-करूर पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजना जो कृषि भूमि से होकर गुजरती है, इस परियोजना कारण प्रभावित किसानों को तमिलनाडु किसान संघ आंदोलन समिति की ओर से विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई। उचित मांगों का समाधान करने के लिए किसानों का उन्होंने समर्थन किया।

भिवाड़ी में जल निकासी का मुद्दा दोनों राज्य बैठकर सुलझाएंगे : मीणा

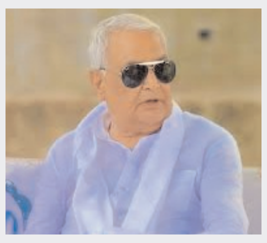

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर के प्रभारी मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा है कि भिवाड़ी में जल निकासी की समस्या दो राज्यों का मसला है और इस मुद्दे को दोनों राज्य बैठकर सुलझायेंगे। मीणा ने सोमवार को अलवर में वंदे गंगाजल अभियान की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि भिवाड़ी राजस्थान का सबसे अच्छा और सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है, इसका ख्याल रखना भी जरूरी है। उन्होंने राजस्थान के सरिस्का बाघ अभयारण्य में महत्वपूर्ण बाघ आवास (सीटीएच) क्षेत्र को बदलने के सवाल पर कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो इस संबंध में राजस्थान और केंद्र के वन एवं पर्यावरण मंत्री से बातचीत की जायेगी। सिलीसेढ़ में बोरिंग के विरोध में चल रहे आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि शहर को पानी मिलना चाहिए और किसानों से संवाद करना चाहिए। वैसे वहां बोरिंग भी होनी चाहिए, लेकिन रास्ता तो संवाद से ही निकलेगा। पुलिस निरीक्षक भर्ती निरस्त करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इस संबंध में अब कुछ नहीं कहा जा सकता। अलवर के जयसमंद बांध क्षेत्र में भूखंड काटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि माफियाओं की आदत होती है कि उनके खिलाफ कार्रवाई करो, तो फिर वही भूखंड काटते हैं।

अगर वहां पर दोबारा ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से उनका पुख्ता इलाज किया जायेगा। सिलीसेढ़ में अवैध होटल के निर्माण पर उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच करायी जायेगी। अगर अतिक्रमण क्षेत्र में है तो निश्चित रूप से अतिक्रमण हटाया जायेगा। इससे पहले मीणा के सोमवार को अलवर पहुंचने पर मिनी सचिवालय में जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने उन्हें पौधा भेंट करके उनका स्वागत किया। इसके बाद मीणा ने मिनी सचिवालय में वंदे गंगा जल अभियान को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

पात्र व्यक्ति को मिले जन कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाईमाधोपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने अंतिम छोर पर बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केन्द्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बागड़े सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने शिक्षा विभाग से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करने तथा उन्हें तार्किक सोच एवं पाठ्यपुस्तक के बाहर का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने पर बल दिया।

उन्होंने नन्हे बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शैक्षिक गतिविधियों में नवाचार और रोचकता लाने, विद्यालयों में खेलों को बढ़ावा देने एवं मानसिक व शारीरिक विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र में शिक्षा का ही सर्वाधिक महत्व है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, जल एवं ऊर्जा जैसी आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट स्तर आवश्यक है। उन्होंने सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी भवनों की छतों और परिसरों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत शेष घरों में शीघ्र नल कनेक्शन देने, प्रत्येक गांव ढाणी को मोटरेबल सड़कों से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चल रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण, तालाबों की सफाई एवं वर्षा जल संग्रहण को प्राथमिकता देते हुए गांव का पानी गांव में रोकने हेतु अमृत सरोवर एवं अन्य जल संग्रहण संरचनाओं का विकास करने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा में प्रति जॉब कार्ड औसत श्रमिक दिवस बढ़ाने के साथ श्रमिकों को रोजगार के लिए जागरूक करने की बात कहीं। स्वामित्व योजना के तहत पट्टा पार्सल का त्वरित वितरण, स्वच्छ भारत मिशन में कार्यशील शौचालयों की निगरानी और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण पर भी बल दिया। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा संग्रहण और निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाकर प्लास्टिक व कचरे को खुले स्थानों पर नहीं डालकर चिन्हित स्थानों पर गड्ढे खोदकर जमीन में गाडने के निर्देश दिए ताकि जैविक अपघटन द्वारा कचरा मृदा एवं खाद में परिवर्तित हो जाए। बैठक में राज्यपाल ने राजीविका समूहों की समीक्षा करते हुए निष्क्रिय समूहों को पुनः सक्रिय करने, लागत एवं मुनाफे की जानकारी संकलित कर समूहों को आत्मनिर्भर व्यवसाय के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी बल दिया।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध आवास उपलब्ध कराने, भवन निर्माण में गुणवत्ता, वेंटिलेशन व संरचनात्मक सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से संवाद कर सबसे गरीब परिवारों की जानकारी प्राप्त कर सत्यापन पश्चात सबसे जरूरतमंद व्यक्तियों को सर्वप्रथम आवास प्रदान करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून के दौरान पौधारोपण में बड़े और छायादार पौधों को प्राथमिकता दी जाए तथा सुरक्षा व सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा पर जाएंगे देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा में वे इन दोनों देशों की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों का अध्ययन करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार देवनानी मंगलवार सुबह जयपुर से नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे और उसके बाद दिन में पेरिस जाएंगे। देवनानी इस सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के दौरान फ्रांस और जर्मनी की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों का अध्ययन करेंगे। वह राजस्थान विधानसभा में किये गये नवाचारों के अनुभवों को भी दोनों के सांसदों से साझा करेंगे।

देवनानी का फ्रांस की 'नेशनल असेम्बली' और 'सीनेट' तथा जर्मनी के 'बुंडेसटाग' और 'बुंडेसरात' के अवलोकन करने का भी कार्यक्रम है। इसके अनुसार देवनानी राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 68वें सम्मेलन से पूर्व विभिन्न देशों की संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी के लिये यह अध्ययन यात्रा कर रहे हैं।

देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान–प्रदान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों की संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार–विमर्श करेंगे।

जनसहभागिता से ही सफल होगा जल संरक्षण अभियान : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले के मांडल उपखंड में ब्यावर मार्ग स्थित तालाब की पाल पर सोमवार को वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित मुख्य समारोह में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि जल संरक्षण अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का सम्पूर्ण मंत्रिमंडल सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है एवं आमजन इसमें अपनी सहभागिता निभाए जिससे यह अभियान पूर्णतः सफल हो।राजस्व मंत्री मीणा ने कहा, अगर आज हम इस पुनीत कार्य को नहीं समझ पाए, तो भविष्य में जल संकट होना निश्चित है। प्रकृति हमें संकेत दे रही है, जिसे समझना हम सभी के हित में है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और अधिकारियों से आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपने घर के सामने एक पेड़ लगाने का संकल्प ले, ताकि पर्यावरण और जल स्रोतों को सुरक्षित रखा जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ तालाब में जल पूजन से हुआ, जिसके बाद जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण और जल स्रोत संरक्षण की योजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, सीईओ चन्द्रभान सिंह भाटी, उपखंड अधिकारी सीएल शर्मा, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत मांडल पंचायत समिति सभागार में जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में राजस्व मंत्री मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि भीलवाड़ा जिला वर्तमान में जल संरक्षण अभियान में राज्य स्तर पर तीसरे स्थान पर है, लेकिन हमें इसे प्रथम स्थान पर लाने के लिए जिला प्रशासन के नेतृत्व में मिलकर काम करना होगा। इस दौरान विधायक उदयलाल भडाणा ने अधिकारियों को आमजन के हितों के कार्य त्वरित रूप से करने एवं आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिकाधिक संख्या में पहुँचाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने अभियान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि तालाबों की सफाई, वर्षा जल संग्रहण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण शपथ, विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं गतिविधियों के माध्यम से जनजागरण किया जा रहा हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने परम्परागत जल स्त्रोत बावड़ियों, तालाबों, बांधों एवं अन्य जल स्त्रोतों की सफाई और उनके संरक्षण की दिशा में जो कदम बढाया उसे हम सब को मिलकर आगे बढ़ाना है साथ ही पानी को सुरक्षित करके उसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस मौके पर स्थानीय प्रतिनिधि, ग्रामीण महिला पुरुष व प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और आमजन से जल, वृक्ष व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई।

यह कार्यक्रम जल शक्ति मंत्रालय, नमामि गंगे मिशन व राजस्थान राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य भर में परंपरागत जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन देना और जन–जागरूकता फैलाना है।

इस दौरान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओपी मेहरा, जिला परिषद सीईओ चन्द्रभान सिंह भाटी, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ सीपी गोस्वामी, उपखंड अधिकारी सीएल शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक मेघा गोयल, सरपंच संजय भंडिया, विकास अधिकारी गुलाब सिंह गुर्जर, सचिव कजोड़मल गुर्जर, लालकृष्ण सेन, सुभाष सोनी, मंडल अध्यक्ष भैरू लाल गाडरी, छीतर मल काबरा, भैरू लाल तड़बा, ओम भंडिया, शिव जोशी, बागोर मंडल अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह राणावत, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, शिव सोनी, सहित ब्लॉक के मुख्य अधिकारी मौजूद थे।

गोदावरी नदी में डूबे राजस्थान के युवक, मुख्यमंत्री शर्मा ने शोक जताया

जयपुर। तेलंगाना के बसारा में गोदावरी नदी में डूबने से राजस्थान के कम से कम चार युवकों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ लोगों का समूह रविवार को बसारा स्थित प्रसिद्ध ज्ञान सरस्वती मंदिर में पूजा–अर्चना करने के लिए गया था। मंदिर जाने से पहले समूह के पांच युवक नहाने के लिए नदी में उतरे। नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया, जिसके चलते पांच किशोर नदी की तेज धारा में बह गए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने हादसे पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''तेलंगाना के बसारा क्षेत्र में गोदावरी नदी में डूबने से राजस्थान के युवकों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!'' कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के अनुसार, हादसे में पाली के तीन सगे भाइयों की भी मौत हो गई।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, तेलंगाना के बसारा जिले में गोदावरी नदी में स्नान के दौरान हुए हृदय विदारक हादसे में राजस्थान के चार युवाओं पाली जिले के तीन सगे भाई और नागौर ज़िले के ताऊसर निवासी एक युवक का असमय निधन अत्यंत दुःखद और स्तब्ध कर देने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी हादसे पर शोक जताया है।

लंबित प्रकरणों को तय समयावधि में निस्तारित करे : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को देवनारायण योजना के अंतर्गत अति पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी तबकों को मिले। इस कारण से लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में देवनारायण छात्रा स्कूटी वित्तरण एवं प्रोत्साहन राशि योजनान्तर्गत गत वर्षों की स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी (एस.सी. छात्रा) योजनान्तर्गत गत वर्षों की स्कूटी वित्तरण की अद्यतन स्थिति, योजना के तहत संचालित कन्या महाविद्यालय बयाना एवं महाविद्यालय नादौती में स्वीकृत पदों की स्थिति, देवनारायण गुरुकुल योजनान्तर्गत वर्ष सान्याअवि द्वारा आवंटित बजट एवं व्यय, देवनारायण गुरुकुल योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में प्रवेशित क्षमता के विरूद्ध विद्यालय वार आवंटित छात्र–छात्राओं की संख्या एवं उसके विरूद्ध प्रवेशित छात्र–छात्राओं की समीक्षा की गई।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने अति पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत आवंटित बजट के विरूद्ध व्यय होने,अति पिछड़ा वर्ग पूर्व मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में आवंटित बजट के विरूद्ध व्यय राशि की जानकारी ली। साथ ही देवनारायण योजनान्तर्गत संचालित नवीन प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में स्वीकृत पदों के विरूद्ध पदस्थापन की स्थिति भी जानी। गहलोत ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के अधिकारियों से देवनारायण योजनान्तर्गत 152 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए वर्ष 2009–10 से 2012–13 तक आवंटित राशि तथा व्यय व उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण के बारे में भी जानकारी ली। इसके अलावा योजनान्तर्गत स्वीकृत 207 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 में बजट प्रावधान के विरूद्ध व्यय राशि तथा स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वीकृत पदों के विरूद्ध पदस्थापन के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से योजनान्तर्गत छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों के भवन निर्माण कार्यों के लिए वर्ष 2024–25 में आवंटित बजट एवं व्यय और निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

गहलोत ने महिला एवं बाल विकास विभाग से देवनारायण योजनान्तर्गत 195 आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए विगत वर्षों में आवंटित राशि के मुकाबले व्यय तथा निर्माण की स्थिति जानी तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों से देवनारायण योजनान्तर्गत बजट घोषणाओं की प्रगति, योजनान्तर्गत संचालित छात्रावासों, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, योजनान्तर्गत संचालित आवासीय विद्यालय, अति पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 में लम्बित आवेदन पत्रों की जिलेवार स्थिति सहित अन्य विषयों की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री, मंत्रियों के फोन दिल्ली में सुने जा रहे हैं : डोटासरा का आरोप

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के फोन टेप होने का गंभीर आरोप लगाया है। डोटासरा ने कहा कि काम से मिलने आने वाले लोग बताते हैं कि मुख्यमंत्री और मंत्री कहते हैं कि डायरेक्ट फोन पर बात मत करो, क्योंकि उनके फोन दिल्ली में सुने जाते हैं। सोमवार को जयपुर स्थित कांग्रेस वॉर रूम में मीडिया से बातचीत करते हुए डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में अदृश्य शक्तियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान कई बार ऐसे संकेत मिलते हैं कि संवाद दिल्ली तक पहुंच रहा है। डोटासरा ने भाजपा संगठन पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी नेता एक–दूसरे को कमजोर करने में लगे हैं। दिल्ली से पर्ची बदलने का डर हर किसी के मन में है। संगठन के कामकाज की जानकारी देते हुए डोटासरा ने कहा कि 80 प्रतिशत मंडल व ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन पूरा हो चुका है और 28 जून तक सभी 200 विधानसभा सीटों पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की सूची चुनाव आयोग को भेज दी जाएगी।

राज्य निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल उठाते हुए डोटासरा ने कहा कि पंचायत व निकाय चुनावों की प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं हुई है। उन्होंने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के चुनाव संबंधी बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री को चुनावों की घोषणा करने का अधिकार नहीं है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस के प्रधान व सरपंच हैं, वहां सरकार नए काम स्वीकृत नहीं कर रही है। इसको लेकर एक हजार से अधिक मामलों के कोर्ट जाने की संभावना है।

'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान की जोगाराम पटेल ने की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को यहां जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभाग पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करें और जिलेवासियों को जागरूक कर उनकी व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए इसे जन आंदोलन बनाएं। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने कहा कि 'जल है तो कल है'। हम सबके लिए पर्यावरण के साथ पानी भी बहुत जरूरी है। जल के अभाव में कुछ भी नहीं है। प्रदेश में भूजल का स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे पीने और सिंचाई के लिए पानी की कमी होती जा रही है। हमारी वर्षा जल पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, जो व्यर्थ बहकर चला जाता है। इन्हीं परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पानी को बचाने और उसके संरक्षण के लिए यह महत्वपूर्ण जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य पानी और पेड़ों के महत्व के प्रति आमजन को जागरूक करना है। लोग पानी की महता समझें, पानी को बचाएं और उसे व्यर्थ न बहने दें। इसके लिए हमें जन–जन को जागरूक करना होगा। सबसे पहले खुद को तन–मन से अभियान से जोड़ें और उसके बाद परिवार एवं आमजन को भागीदार बनाएं। मंत्री जोगाराम पटेल ने विभिन्न विभागों की ओर से किए जा रहे जल संरक्षण एवं पौधारोपण के कार्यों की विभागवार विस्तृत जानकारी ली और अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पुनीत परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरी गुणवत्ता के साथ कराएं और जनसहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने 'हरियालो राजस्थान' अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि इसके तहत अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनके पालन–पोषण की जिम्मेदारी तय करते हुए हरे–भरे वृक्ष के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा कि धरातल पर क्रियान्वयन में कोई कठिनाई हो तो बताएं और अभियान को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दें।

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी दिशा–निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिचित कर अभियान को सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान इस अभियान के अच्छे परिणाम सामने आएंगे। जिले में जल संचय होगा और भूजल स्तर बढ़ेगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अभियान के नोडल अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा ने 5 जून से अब तक इस अभियान के तहत जिला प्रशासन, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, वन, नगर परिषद, कृषि, वाटर शेड, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, उद्यानिकी एवं पशुपालन सहित अन्य विभागों की ओर से संचालित सभी गतिविधियों से पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा कि ओडिशा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पिछले एक वर्ष में अपना एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है और ऐसे में उत्सव मनाया जाना राज्य की जनता का अपमान है। ओडिशा में पिछले साल भाजपा की सरकार बनी थी और दो दशक से अधिक समय बाद नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल सरकार सत्ता से बाहर हुई थी। प्रदेश में पहली बार भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने अहमदाबाद विमान हादसे का हवाला देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''देश गम में डूबा है और ओडिशा में भाजपा सरकार 12 जून से 20 जून तक उत्सव मना रही है। खुद प्रधानमंत्री मोदी इस उत्सव का समापन करने जाएंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार भले ही उत्सव मना रही है, लेकिन उसने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। दास ने दावा किया, ''ओडिशा में स्वास्थ्य सुविधाओं के हालात बदतर हैं। राज्य के लगभग सभी जिलों में बहुत सारे पद खाली पड़े हैं। 12,000 की आबादी पर एक डॉक्टर भी नहीं है। राज्य के कई अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड खारिज हो रहे हैं। जनता को मजबूरी में निजी अस्पताल में इलाज कराना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''जनता परेशान है, किसानों को लूटा जा रहा है, राज्य में बेरोजगारी है, अस्पताल नहीं है। ऐसे समय में सरकार को उत्सव मनाने का कोई हक नहीं है। यह राज्य की जनता के साथ मजाक है और उनका अपमान है।'' कांग्रेस के ओडिशा प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने दावा किया कि राज्य (ओडिशा) में भाजपा ने भ्रष्टाचार को लेकर बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति का वादा किया था, लेकिन पिछले एक साल में भ्रष्टाचार का बोलबाला दिखा है।

भाजपा बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बता रही : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह अपनी सरकार वाले राज्यों में बांग्ला भाषी नागरिकों को निशाना बना रही है और यहां तक कि वैध दस्तावेज धारकों को भी अवैध बांग्लादेशी प्रवासी बता रही है। विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने भाजपा पर उन लोगों को आजीविका कमाने के अधिकार से वंचित करने का भी आरोप लगाया, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा-शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ पार्टी द्वारा चुनिंदा तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, ''आपको शर्म आनी चाहिए कि आप वास्तविक भारतीय नागरिकों को सिर्फ उनकी भाषा के आधार पर बांग्लादेशी बता रहे हैं। बांग्ला के साथ-साथ गुजराती, मराठी और हिंदी में बोलने में भी गर्व महसूस होना चाहिए। अगर आप मुझसे पूछें तो मैं इन सभी भाषाओं में बोल सकती हूं।''

ओएनजीसी के कुएं से गैस रिसाव पांचवें दिन भी जारी, टीम बचाव में जुटी

शिवसागर (असम)/भाषा। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओएनजीसी ने सोमवार को कहा कि असम के शिवसागर जिले में कच्चे तेल के कुएं में पांचवें दिन भी गैस रिसाव जारी है और उसने रिसाव पर काबू पाने के लिए सबसे अनुभवी संकट प्रबंधन दल को तैनात किया है। दूसरी ओर जिला प्रशासन ने कहा कि वायु प्रदूषण अभी भी स्वीकार्य सीमा के भीतर है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम (पीसीबीए) का स्थानीय कार्यालय हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है।

भटियापार के बारीचुक में ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के रिग नंबर एसकेपी 135 के कुआं नंबर आरडीएस 147 में 12 जून को रिसाव शुरू हुआ था। एक निजी कंपनी एसके पेट्रो सर्विसेज सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी की ओर से कुएं का संचालन कर रही थी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''ओएनजीसी ने कुआं आरडीएस 147 पर गैस रिसाव को रोकने के लिए अपनी सबसे अनुभवी संकट प्रबंधन टीम को तैनात किया है, जो जटिल कुआं नियंत्रण कार्यों के प्रबंधन में सिद्ध रिकॉर्ड वाली है। ओएनजीसी का शीर्ष प्रबंधन इस अभियान की बारीकी से और लगातार निगरानी कर रहा है।'' कंपनी ने कहा कि भूवैज्ञानिक चुनौतियां तेल और गैस संचालन के साथ जुड़ी हुई हैं और वह कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करती है। कंपनी ने कहा, ''ओएनजीसी गैस रिसाव को जल्द से जल्द पूरी तरह से नियंत्रण में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।'' ओएनजीसी ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित निकालने का काम किया है और उन्हें रहने की जगह, भोजन, पेयजल और अन्य जरूरी वस्तुएं दी गई हैं। रिसाव के कारण, लगभग 1,500 लोग प्रभावित हुए हैं।

आदित्यनाथ ने 1,184 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अम्बेडकरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अम्बेडकरनगर जिले के कटेहरी में एक भव्य समारोह में 1,184 करोड़ रुपए की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान के मुताबिक 102 योजनाओं का लोकार्पण किया गया और 92 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर विचार करते हुए कहा कि अकबरपुर बस स्टैंड का नामकरण 'श्रवणधाम बस स्टैंड' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह नामकरण श्रवण धाम की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता को सम्मान देने का प्रयास है, जो मातृ-पितृ भक्ति का प्रतीक है। उन्होंने टांडा बस स्टैंड का नाम स्वर्गीय जयराम वर्मा के नाम पर 'जयराम वर्मा बस स्टैंड' करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रवण धाम को रामायण काल से पूर्व के धाम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शिव बाबा धाम में विधिवत दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। विपक्ष पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि कुछ लोगों को उत्तर प्रदेश का विकास अच्छा नहीं लगता, उन्हें केवल अपने परिवार का विकास ही अच्छा लगता है, ऐसे लोग परिवार के नाम पर जाति को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जातिवाद के नामपर सत्ता में आकर नग्न तांडव करते हैं, समाज को बांटते हैं तथा पर्व-त्योहार के उत्साह और उमंग को फीका करते हैं। उन्होंने समाज को बांटने वालों को बेनकाब करने की बात भी कही। बयान के अनुसार योगी ने 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' के तहत पूरे उत्तर प्रदेश के 11,690 किसान परिवारों को 561.86 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित करने की बात कही जिसमें अम्बेडकरनगर के 431 परिवार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना में किसानों, बटाईदारों, कृषि श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''पैसे की कमी नहीं है। हम हर तहसील में इस कार्यक्रम को चला रहे हैं ताकि आपदा प्रभावित किसान परिवारों को तुरंत सहायता मिले।''

सरकार बताए सिपाही भर्ती में पीडीए की संख्या कितनी और उनकी हकमारी कौन कर रहा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए सवाल उठाया कि सरकार बताए कि सिपाहियों की भर्ती में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की संख्या कितनी है और उनकी हकमारी कौन कर रहा है।

यादव ने पार्टी की अल्पसंख्यक शाखा के पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में सवालों के जवाब में कहा, कोई भी सरकार नियम व नियम के बाहर भर्ती नहीं कर सकती। रविवार को 60 हज़ार से अधिक सिपाहियों के लिए आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछली सपा सरकार पर पुलिस भर्तियों में भाई-भतीजावाद और रिश्वत जैसे आरोप लगाए जाने और अब तक की सबसे बड़ी भर्ती के दावे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, ''ये आरोप इसलिए लगाते हैं कि इनसे कोई सवाल न पूछे। अगर हम लोग संख्या पूछना चाहें कि इतनी भारी संख्या में भर्ती हुई तो इसमें पीडीए की गिनती क्या है, तो?'' उन्होंने कहा, सरकार बताए कि पीडीए की हकमारी कौन कर रहा है। इस भर्ती में पीडीए की हकमारी किसने की। सिर्फ पीडीए के आंकड़े बता दे सरकार। उन्होंने दोहराया, कोई सवाल न पूछे इसलिए यह केवल इनका दुष्प्रचार है और भाजपा से अच्छा दुष्प्रचार कोई नहीं कर सकता।

शिवराज ने अंबेडकर के 'अपमान' के लिए लालू पर साधा निशाना

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाबा साहब अंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर सोमवार को निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को राज्य और देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

अत्यंत पिछड़े वर्ग से आने वाले स्वतंत्रता सेनानी बुद्धू नोनिया की स्मृति में आयोजित एक समारोह में शामिल होने पटना आए शिवराज ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात की।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा, ''मैं अचंभित हूं कि लालू प्रसाद के साथ क्या गलत हुआ है। उन्होंने भारत रत्न से सम्मानित अंबेडकर की तस्वीर अपने पैरों के नीचे रखवाई थी, जिन्होंने देश को उसका संविधान दिया। मुझे दुख और पीड़ा महसूस हो रही है।''

चौहान पिछले सप्ताह प्रसाद के 78वें जन्मदिन समारोह के एक वीडियो फुटेज का हवाला दे रहे थे, जिसमें एक आगंतुक ने राजद सुप्रीमो के पैर के पास अंबेडकर का चित्र रखा था। हालांकि, राजद ने इस आरोप से इनकार किया और दावा किया है कि आगंतुक ने अपने हाथों में चित्र पकड़ रखा था और भाजपा ''कैमरा एंगल'' के कारण विवाद खड़ा कर रही है। चौहान ने कहा कि इस घटना ने प्रसाद के ''सामाजिक न्याय'' के मसीहा होने के दावों पर सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा, ''बिहार और पूरे देश के लोग राजद और उसके अध्यक्ष को कभी माफ नहीं करेंगे।''

नोनिया को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर केंद्र सरकार विचार कर सकती है: शिवराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार बिहार और उत्तर प्रदेश में मौजूद अति पिछड़े वर्ग के 'नोनिया' समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार कर सकती है।

ग्रामीण विकास और कृषि मंत्रालय संभाल रहे चौहान स्वतंत्रता सेनानी 'बुद्धू नोनिया' की याद में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिन्हें अति पिछड़ा वर्ग में शामिल समुदाय एक आदर्श के रूप में देखता है।

चौहान ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के लिए ईश्वर का उपहार हैं। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे के साथ काम किया है, लेकिन खासकर पिछड़े वर्गों के संबंध में मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों, जैसे- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, के प्रयास बेमिसाल हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज जब हम बुद्धू नोनिया को याद कर रहे हैं, जो नमक कर का उल्लंघन करने के लिए उबलते पानी में फेंके जाने के बावजूद भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलते रहे, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जातिगत गणना के साथ जनगणना की तारीखों की घोषणा कर दी है। मोदी और शाह, दोनों अभिनन्दन के पात्र हैं।''

चौहान ने कहा कि नोनिया समाज को आश्वस्त रहना चाहिए कि जातिगत गणना के आंकड़े सामने आने के बाद समुदाय के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग भी उठाई गई है। अगर सर्वेक्षण में पाया जाता है कि समुदाय के 90 प्रतिशत से अधिक लोग गरीब हैं, तो केंद्र सरकार इस पर विचार करेगी।''

गाजियाबाद में कथित धर्म परिवर्तन के आरोप में पादरी और उसका शिष्य गिरफ्तार

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले के क्रासिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में पुलिस ने एक पादरी और उसके शिष्य को कमजोर वर्ग के लोगों को आर्थिक मदद की आड़ में ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) प्रियाश्री पाल ने बताया कि प्रबल गुप्ता की शिकायत के आधार पर रविवार को गिरफ़्तारी की गई। प्रबल गुप्ता का आरोप है कि पादरी विनोद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के लोगों को आर्थिक मदद का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराता है। विनोद मूल रूप से केरल का रहने वाला है और फिलहाल साहिबाबाद में रह रहा है। एसीपी ने बताया कि पादरी हर रविवार को क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके की राहुल विहार कॉलोनी में प्रेम चंद जाटव के घर पर प्रार्थना सभा आयोजित करता था तथा जाटव ने खुद कुछ साल पहले बपतिस्मा लिया था। अधिकारी ने बताया कि जाटव ने कथित तौर पर सभाओं में मदद की व गरीब पृष्ठभूमि के लोगों को सत्रों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जहां पादरी ने उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया।

पटना में जल्द ही 'वाटर मेट्रो' सेवा शुरू होगी : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पटना में जल्द 'वाटर मेट्रो' सेवाएं शुरू होने की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि शहर गंगा पर अंतर-देशीय जल परिवहन प्रणाली का केंद्र बन जाएगा। यह घोषणा राज्य के विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले की गई है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में अंतर-देशीय जल परिवहन के विकास पर यहां एक परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार माल ढुलाई, पर्यटन और स्थानीय आजीविका के लिए नदी प्रणालियों की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''वाटर मेट्रो प्रणाली नदी के दोनों किनारों को जोड़ेगी और पटना के लिए स्वच्छ, कुशल और आधुनिक शहरी परिवहन समाधान प्रदान करेगी। राष्ट्रीय अंतर-देशीय नौवहन संस्थान को नए निवेश के साथ उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नत किया जा रहा है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत के अंतर-देशीय जलमार्गों को हरित विकास और संपर्क का जीवंत इंजन बना दिया है। उप्र, बिहार, झारखंड और प. बंगाल में फैला राष्ट्रीय जलमार्ग इस पुनरुद्धार के केंद्र में है।'' मंत्री ने कहा कि सरकार माल ढुलाई, पर्यटन और स्थानीय आजीविका के लिए नदी प्रणालियों की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनगणना की अधिसूचना 'खोदा पहाड़ा, निकली चुहिया' जैसी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना 'खोदा पहाड़ा, निकली चुहिया' जैसी है और इसमें जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाते हुए, केवल जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए।

सरकार ने सोमवार को वर्ष 2027 में जातिगत गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी की। पिछली बार ऐसी जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 से तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 से की जाएगी।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लंबे इंतजार के बाद बहुप्रचारित 16वीं जनगणना की अधिसूचना आखिरकार जारी हो गई है। लेकिन यह एकदम 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' जैसी है क्योंकि इसमें 30 अप्रैल 2025 को पहले से घोषित बातों को ही दोहराया गया है।'' उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि कांग्रेस की लगातार मांग और दबाव के चलते ही प्रधानमंत्री को जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के मसले पर झुकना पड़ा। उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री ने इसी मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं को अर्बन नक्सल तक कह दिया था।

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले की एक अदालत ने सोमवार को एक विवादित बयान मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अगली सुनवाई की तारीख 18 जुलाई तय की।

अदालत में याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, 15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई बीजेपी-आरएसएस से नहीं, इंडिया स्टेट से है।'' याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता के अधिवक्ता सचिन गुप्ता ने कहा कि अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने सुनवाई की अगली तारीख 18 जुलाई तय की । अदालत ने सिमरन गुप्ता के परिवाद पर राहुल गांधी को अब 18 जुलाई को जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया है। अदालत में राहुल गांधी के वकील मौजूद नहीं थे और उनके कनिष्ठ वकील ने अगली तारीख का अनुरोध किया था। सचिन गुप्ता ने कहा कि उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि वह राहुल गांधी को अदालत में मौजूद रहने का निर्देश दे। याचिकाकर्ता गुप्ता ने कहा, ''15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी ने कहा था कि 'हमारी लड़ाई केवल आरएसएस व भाजपा से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट से है।''

भारत को लीड्स में कुलदीप और जडेजा दोनों को खिलाना चाहिए : हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की एकादश में रविंद्र जडेजा के साथ शामिल करने का समर्थन किया है।

श्रृंखला का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा। पारंपरिक रूप से लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है। हरभजन ने सोमवार को 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, ''भारत को कुलदीप यादव को खिलाने पर विचार करना चाहिए। बेशक जडेजा उनके साथ गेंदबाजी करेंगे। इसलिए तीन तेज गेंदबाजों के साथ दो स्पिनर इस मैच के लिए एकदम सही जोड़ी होंगे।''

हरभजन ने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को किसी भी तरह की परिस्थितियों में संभावित मैच विजेता करार दिया। उन्होंने कहा, ''देखते हैं कि क्या परिस्थितियां बदलती हैं और स्पिनरों को मदद मिलती है। लेकिन अगर ऐसा नहीं भी होता है तो भी मुझे लगता है कि ये दो सक्षम गेंदबाज हैं जो किसी भी पिच पर विकेट ले सकते हैं।'' अपने अनुभव के आधार पर हरभजन ने 2002 में हेडिंग्ले में दो स्पिनरों को मैदान में उतारने के भारत के साहसिक फैसले को याद किया जब उन्होंने और अनिल कुंबले ने मिलकर 11 विकेट चटकाए थे। हरभजन ने कहा, ''उस समय यह एक बहुत ही अनोखा फैसला था। पिच पर काफी घास थी लेकिन प्रबंधन ने फैसला किया कि हम दो स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरेंगे और संजय बांगड़ भी गेंदबाजी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमने पांच सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को चुना जो विकेट ले सकते थे। अंत में यही मायने रखता है। आपको उन गेंदबाजों का समर्थन करना चाहिए जो किसी भी परिस्थिति या किसी भी तरह की पिच पर विकेट ले सकते हैं।'' शारदुल ठाकुर ने भारत की दो टीम के बीच हुए अभ्यास मैच में शतक बनाया और विकेट लिए तथा हरभजन का मानना है कि टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के स्थान के लिए उनका पलड़ा नितीश रेड्डी पर भारी है। हरभजन ने कहा, ''भारत को एक ऐसे गेंदबाज की जरूरत है जो थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सके। भारत के पास नंबर सात तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी हैं और नंबर आठ पर आपको यह देखना होगा कि कौन गेंदबाजी कर सकता है और आपके लिए विकेट ले सकता है तथा थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सकता है। ''

कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी के साथ विश्वासघात किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले कराए गए जातिगत सर्वेक्षण को रद्द करने और नया सर्वेक्षण कराने के कर्नाटक सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस पर अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ हमेशा विश्वासघात करने का सोमवार को आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भूपेंद्र यादव ने जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि अब रद्द कर दिए गए जातिगत सर्वेक्षण को कराने में सरकारी खज़ाने से 165 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सामाजिक न्याय की बात सिर्फ दिखावे के लिए करती है, ताकि चुनाव में फायदा पाने के लिए समाज में फूट डाल सके। कांग्रेस केंद्र से जाति गणना और राष्ट्रव्यापी जनगणना के दौरान सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर विस्तृत आंकड़े हासिल करने के लिए तेलंगाना मॉडल अपनाने की मांग कर रही है। इसपर भाजपा के प्रमुख ओबीसी चेहरे ने सवाल किया कि विपक्षी पार्टी ने कर्नाटक में यही मॉडल क्यों नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदरूनी विरोधाभास उजागर हो गए हैं, क्योंकि पार्टी की सामाजिक न्याय के प्रति कोई वास्तविक प्रतिबद्धता नहीं है और वह चुनावी उद्देश्यों के लिए इस तरह के राजनीतिक हथकंडे अपनाती है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से माफी मांगने की भी मांग की। यह मांग उनके जन्मदिन पर उनके पैरों के पास भीम राव अंबेडकर की तस्वीर लगाने को लेकर उठे राजनीतिक विवाद के बाद की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''यह उनके (लालू के) अहंकार को दर्शाता है। उनकी सरकार के दौरान पिछड़े वर्गों और दलितों को सबसे अधिक अन्याय का सामना करना पड़ा।'' यादव ने दावा किया कि कांग्रेस का ओबीसी समुदाय के हितों के साथ विश्वासघात करने का इतिहास रहा है।

सुविचार

कृष्ण की मुस्कान में राधा ने वो सुकून पाया, जिसे पाने के लिए लोग जीवन भर भागते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप के शिगूफे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बड़बोलेपन के कारण मशहूर होते जा रहे हैं। वे इन दिनों अतिशयोक्तिपूर्ण दावे कर खुद को 'शांति पुरुष' के तौर पर पेश कर रहे हैं। क्या ट्रंप नोबेल पुरस्कार लेने के लिए माहौल बनाना चाहते हैं? उनके दावे तो ऐसा ही संकेत दे रहे हैं! कभी वे यह कहकर खुद के सियासी कद को बढ़ाने की कोशिश करते हैं कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को 'व्यापार का इस्तेमाल' कर रुकवा दिया। हालांकि उनके शब्दों को भारत ने खारिज कर दिया। अब वे ईरान और इजराइल के बीच समझौते का शिगूफा छोड़कर सुर्खियां बटोर रहे हैं। प्राय: अमेरिकी राष्ट्रपति के शब्दों में खास तरह की गंभीरता होती है। ट्रंप जिस किस्म की बयानबाजी कर रहे हैं, उससे वे राष्ट्रपति पद की गरिमा घटा रहे हैं। चूंकि यह उनका दूसरा और आखिरी कार्यकाल है, लिहाजा वे कोई ऐसा काम करना चाहते हैं, जिससे उनके नाम के साथ विशेष सम्मान जुड़ जाए। वे इसके लिए मनगढ़ंत दावे करने से भी परहेज़ नहीं कर रहे हैं। वास्तव में ट्रंप ने बैठे-बैठाए आत्मप्रचार का ऐसा नुस्खा ढूंढ़ लिया, जिसमें हल्दी लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा आ जाए। वे चाहते हैं कि उनकी छवि एक ऐसे नेता की बने, जिसने दुनिया को परमाणु युद्ध से बचा लिया। ट्रंप वैश्विक शांति के प्रतीक बनना चाहते हैं। वे बड़े सैन्य संघर्षों के साथ खुद का नाम एक ऐसे शख्स की तरह जोड़कर प्रचारित कर रहे हैं, जिसे दुनिया 'शांतिदूत' माने। इसके लिए उन्हें एक डॉलर भी खर्च नहीं करना पड़ रहा। बस, अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर चार लाइनें लिख देते हैं और माहौल बन जाता है। वे अब ईरान-इजराइल जैसे जटिल मुद्दे को खुद के नाम कर उसमें भी अपनी उपलब्धि दिखाना चाहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को 24 घंटे में ख़त्म कराने का दावा करते थे। उसका क्या हुआ? युद्ध भले ही खत्म नहीं हुआ, लेकिन ट्रंप के कई समर्थकों को लगता है कि वे अमेरिका को फिर से महान बना रहे हैं। इस तरह ट्रंप खुद की 'डीलमेकर' की छवि को मजबूत कर रहे हैं, साथ ही रिपब्लिकन पार्टी को यह संदेश दे रहे हैं कि अगले चुनाव में उनकी भूमिका को नज़र-अंदाज़ नहीं किया जा सकता। वे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने में निर्णायक भूमिका निभाना चाहते हैं। वे अपनी पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को भी यह संदेश देना चाहते हैं कि राजनीति में कामयाबी के लिए उनके नेतृत्व के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। उन्हें लगता है कि हर वैश्विक समस्या का एक ही समाधान है। क्या इस दावे पर विश्वास किया जा सकता है कि कोई देश ट्रंप की बात मान लेगा, क्योंकि वे टैक्स की दरें बढ़ा सकते हैं और व्यापार संबंधी प्रतिबंध लगा सकते हैं? ट्रंप चीन, रूस, ईरान जैसे देशों को कितना झुका पाए? वे उत्तर कोरिया के किम जोंग उन का क्या कर पाए? क्या वे चेतावनी देकर ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोक सकते हैं? ईरान की परमाणु एजेंसी ने तो कह दिया है कि तेहरान द्वारा नया संयंत्र शुरू करने की तैयारी के कारण यूरेनियम संवर्धन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ईरान तीसरे संवर्धन परिसर को 'सुरक्षित' स्थान पर सक्रिय करेगा। वहीं, पुतिन के तेवर तीखे बने हुए हैं। सिंधु जल संधि के संबंध में भारत का रुख भी सख्त है। केंद्र सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि अगर पाकिस्तान की ओर से दोबारा कोई आतंकी हरकत हुई तो भारत उसे किसी सूरत में नहीं बख्शेगा, बल्कि ज्यादा ताकत के साथ प्रहार करेगा। तो ट्रंप की 'चेतावनी' का कितना असर दिखाई दे रहा है? शून्य! अमेरिकी राष्ट्रपति को चाहिए कि अपने देश की ओर भी कुछ ध्यान दें। वे 'शांति पुरुष' दिखने की कोशिश में हंसी के पात्र ज्यादा बन रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

कोटा के बड़ौद-बूढ़ादीत में कालीसिंध नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पुल निर्माण से लेकर नई सड़कों और नवीन भवनों तक यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी नागरिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे।

-ओम बिरला

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस जी द्वारा साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस खखख से सम्मानित किया गया। यह सम्मान आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है।

-दीया कुमारी

राम जल सेतु लिंक सिर्फ परियोजना नहीं, राजस्थान की प्यास बुझाने का वादा है। इससे राज्य को 3.25 लाख लोगों के लिए पेयजल, 4.03 लाख हेक्टेयर में सिंचाई, और 4102 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलेगा।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

स्मरण से उद्धार

एक बार गौ-लोक धाम में श्रीराधा ने श्रीकृष्ण से विनम्रतापूर्वक पूछा, 'हे माधव! कंस आपके सगे मामा होते हुए भी आपके माता-पिता को कष्ट देता रहा, आपका निरंतर अपमान करता था, संतों का उपहास उड़ाता था, और बार-बार आपकी हत्या के प्रयास करता था। फिर भी, उस महापापी को आपके ही हाथों परम मोक्ष कैसे प्राप्त हो गया? उसके ऐसे कौन से पुण्य थे?' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'राधे, कंस जो कुछ भी करता, जो कुछ भी सोचता, वह सब मेरे ही बारे में होता था। चाहे वह मुझसे द्वेष करता था, क्रोधित होता था या भयभीत रहता था, लेकिन उसका मन हर पल मेरे स्मरण में लगा रहता था। जो व्यक्ति निरंतर मेरा स्मरण करता हैचाहे वह प्रेम से करे या भय सेउसे मैं अंततः मोक्ष ही देता हूं।'

सामयिक

नफ़रत की आँच पर सुलगती दुनिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

मोबाइल : 9955818270

जब विज्ञान के चरम पर पहुंची मानवता को लगा कि उसने युद्धों को इतिहास की गहराइयों में दफना दिया है, तभी रक्त से लथपथ वर्तमान ने यह प्रमाणित कर दिया कि सभ्यता के आवरण के नीचे अब भी हिंसा की चिंगारियाँ धधक रही हैं। चारों ओर भय, अस्थिरता और सत्ता की प्यास ने संसार को बारूद के मुहाने पर ला खड़ा किया है। रूस-यूक्रेन से लेकर इज़रायल-ईरान, भारत-पाकिस्तान से होते हुए बांग्लादेश तक, हर भूभाग जैसे अपने ही विनाश की पटकथा लिख रहा है। विश्व की धरती नफ़रत की राख में लिपटी हुई प्रतीत हो रही है और उसके ऊपर सत्तालोलुपता, धार्मिक उन्माद, असहिष्णुता और कूटनीतिक अहंकार की आँधी चल रही है। रूसी टैंक यूक्रेन की सीमाओं को कुचलते हुए तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, तो वहीं इज़रायल- फिलिस्तीन का दशकों पुराना घाव और अधिक रक्तरंजित होता जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के संबंधों की तलवार किसी पुराने रणबांकुरे की तरह दीवार पर टंगी तो है, पर किसी भी क्षण म्यान से बाहर आने को आतुर प्रतीत होती है। चीन की चालबाज़ियाँ, अफगानिस्तान का तालिबानी अंधकार, बांग्लादेश और म्यांमार में अस्थिर लोकतंत्र की कराह, ये सब मिलकर यह चित्र निर्मित कर रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर विश्वयुद्ध की कगार पर आ खड़ी हुई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का प्रारंभ 2022 में हुआ था, जब यूक्रेन के पश्चिमी झुकाव और नाटो की बढ़ती सक्रियता ने रूस को उत्तेजित कर दिया। यह युद्ध केवल दो देशों की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों बनाम रूस के शीतयुद्ध के छाया-प्रसार की पुनरावृत्ति है। इसके परिणामस्वरूप न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों की मृत्यु हुई, बल्कि यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति चरमरा गई। खाद्यान्न संकट ने अफ़्रीकी और एशियाई देशों में महंगाई की चिंगारी सुलगाई। रूस, जो विश्व के प्रमुख उर्वरक और गैस निर्यातकों में से है, उस पर लगे प्रतिबंधों ने वैश्विक कृषि उत्पादन को प्रभावित किया। युद्ध की यह आग केवल यूक्रेन की धरती पर नहीं जल रही, बल्कि पूरी दुनिया इसकी तपिश से झुलस रही है।

इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का इतिहास जितना पुराना है, उतना ही त्रासदीपूर्ण भी। लेकिन 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़रायल पर हुए हमले और उसके बाद इज़रायल की बर्बर प्रतिहिंसा ने इस संघर्ष को अब एक मानवीय संकट में बदल दिया है। गाज़ा पट्टी में बमों की वर्षा, अस्पतालों की बर्बादी, बच्चों की चीखें- ये सब वैश्विक मानवता को शर्मसार कर रहे हैं। इस्लामी देशों की नाराज़गी, अमेरिका का खुला समर्थन और अब ईरान के साथ इज़रायल का टकराव इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में यह युद्ध क्षेत्रीय सीमा को लांघकर एक बड़े धार्मिक और राजनीतिक संघर्ष में तब्दील हो सकता है। भारत, जो वर्षों से वसुधैव कुटुम्बकम् के आदर्श को जीता आया है, वह भी इस वैश्विक अस्थिरता से अछूता नहीं रहा। पाकिस्तान के साथ बार-बार होते सीमाई संघर्ष, कश्मीर में आतंकवाद का पोषण, और हाल ही में पाकिस्तान की आर्थिक चरमराहट, यह सब दक्षिण एशिया में अस्थिरता को जन्म देता है। चीन की चालबाज़ी और विस्तारवादी नीति, विशेषकर अरुणाचल और लद्दाख के क्षेत्रों में, भारत को एक सतत सामरिक सतर्कता की अवस्था में रखे हुए है। डोकलाम और गलवान जैसी घटनाएँ यह सिद्ध करती हैं कि शांति केवल एक अंतराल है युद्ध की भूमिका नहीं।

बांग्लादेश में कट्टरवाद का उभार और म्यांमार में सेना द्वारा लोकतंत्र की हत्या ने भारत के पूर्वी पड़ोसी क्षेत्रों को भी अस्थिर किया है। वहाँ से होने वाले रोहिंग्या प्रवास, सीमा पर अवैध घुसपैठ और आंतरिक संघर्षों की गूंज भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भी विचलित करती रही है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में पुनः आगमन ने न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता और शिक्षा को संकट में डाला है, बल्कि एक बार फिर दक्षिण एशिया को आतंकवाद की प्रयोगशाला बनने की आशंका से ग्रस्त कर दिया है। इस समूचे वैश्विक असंतुलन का सबसे मार्मिक पहलू है उसकी आर्थिक परछाईं, जो हर देश के घर-आंगन में पसरी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध से यूरोप में गैस की कीमतें दोगुनी हो गईं, जिसका असर भारत जैसे विकासशील देशों पर भी पड़ा। तेल के दामों में बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध, बंदरगाहों पर विलंब, और व्यापारिक रेखाओं की असुरक्षा, इन सबने विश्व व्यापार को धीमा कर दिया है। भारत, जिसकी अर्थव्यवस्था आयात-निर्यात पर भारी मात्रा में निर्भर करती है, उसे न केवल महंगे कच्चे तेल का बोझ उठाना पड़ा है, बल्कि आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से घरेलू महंगाई भी बेकाबू हो गई।

ईरान-इज़रायल टकराव ने अब मध्य-पूर्व की स्थिरता को एक नई चुनौती दी है। यह क्षेत्र, जो विश्व के तेल का प्रमुख स्रोत है, यदि युद्ध की चपेट में आता है, तो पेट्रोलियम मूल्य आसमान छूने लगेंगे। भारत, जो अपने कच्चे तेल का लगभग 857 आयात करता है, वह इस स्थिति में असहाय खड़ा दिखाई देगा। साथ ही, भारतीय प्रवासी श्रमिकों की एक बड़ी संख्या जो खाड़ी देशों में कार्यरत है, उनकी सुरक्षा, रोजगार और प्रेषण पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। विदेश में कार्यरत भारतीयों द्वारा भेजा गया धन भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यह प्रवाह ठप पड़ता है तो रुपया कमजोर होता है, शेयर बाजार लड़खड़ाता है और निवेशकों का मनोबल टूटता है। इन युद्धों का एक अन्य व्यापक असर है वैश्विक खाद्य असुरक्षा पर। रूस और यूक्रेन जैसे देश गेहूं, मक्का और सूर्यमुखी तेल के प्रमुख निर्यातक हैं। इनकी आपूर्ति बाधित होने से भारत सहित कई देशों में खाद्यान्न की कीमतें बढ़ीं, जिससे गरीब वर्ग पर सीधा आर्थिक प्रहार हुआ। फलतः सरकारों को खाद्य सब्सिडी बढ़ानी पड़ी, जिससे बजट असंतुलन उत्पन्न हुआ।

शस्त्रों की होड़, रक्षा बजटों में वृद्धि और सैन्य समझौतों की बहुलता ने सामाजिक योजनाओं को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। जब देश अपने संसाधनों को युद्ध की तैयारी में खर्च करने लगते हैं, तब शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचनाओं पर निवेश घटता है। भारत जैसे देश में जहाँ हर चौथा व्यक्ति गरीबी रेखा के पास या नीचे जीवन जी रहा है, वहाँ युद्धों से प्रेरित आर्थिक अनिश्चितता सामाजिक न्याय के मार्ग में एक गंभीर बाधा बनती है। साथ ही, वैश्विक निवेश प्रवाह में भी युद्धों का असर पड़ता है। अनिश्चित भू-राजनीतिक वातावरण में निवेशक सुरक्षित स्थानों की ओर रुख करते हैं। भारत, जो पिछले वर्षों में विदेशी निवेशकों के लिए एक आशावान गंतव्य रहा, वह भी अब अमेरिका-चीन तनातनी, मध्यपूर्व में संकट और एशिया में अस्थिरता की वजह से प्रभावित हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपये की अस्थिरता, शेयर बाजार में अस्थिर प्रवृत्तियाँ और एफडीआई में कमी, ये सब संकेत हैं कि युद्ध केवल सीमा पर नहीं, अर्थव्यवस्था के हृदय में भी लड़े जा रहे हैं।

इन समस्त परिस्थितियों में भारत के लिए एक बड़ी चुनौती यह है कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी भूमिका को संतुलित रखे। वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के मध्य भारत की विदेश नीति को न केवल विवेकपूर्ण, बल्कि संतुलित, संवेदनशील और दीर्घदर्शी होना चाहिए। भारत को गुटनिरपेक्षता' की अपनी ऐतिहासिक नीति को आधुनिक संदर्भों में पुनः परिभाषित करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। रूस और अमेरिका, दोनों से संतुलित संबंध बनाए रखते हुए भारत को वैश्विक शांति की पहल में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। पड़ोसी देशों के साथ संवाद, सहयोग और सांस्कृतिक कूटनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि सीमाओं पर स्थायित्व बना रहे। चीन के प्रति संयमित परंतु दृढ़ दृष्टिकोण, पाकिस्तान के प्रति आतंकवाद पर कठोर नीति और अफगानिस्तान व म्यांमार जैसे क्षेत्रों में मानवीय सहायता की भूमिका भारत को नैतिक नेतृत्व प्रदान कर सकती है। जलवायु, स्वास्थ्य और वैश्विक व्यापार जैसे मुद्दों पर भारत को 'वैश्विक दक्षिण' की आवाज़ बनकर उभरना चाहिए, जिससे वह युद्ध की नहीं, समाधान की दिशा में मार्गदर्शक राष्ट्र बन सके। भारत को यदि वैश्विक नेता की भूमिका निभानी है तो उसे अहिंसा, शांति, सहयोग और विकास के मूल्यों को ही अपनी विदेश नीति का आधार बनाना होगा। इस वैश्विक उथल-पुथल से एक सीख यह भी निकलती है कि अब समय आ गया है जब संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच को अधिक सक्षम, स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना होगा। केवल बयान जारी करने और मानवीय सहायता भेजने से विश्व युद्ध की विभीषिका नहीं रुकेगी। वैश्विक समुदाय को आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य गठबंधनों और रणनीतिक चुप्पियों से ऊपर उठकर एक साझा संकल्प लेना होगा, युद्ध नहीं, संवाद हो।' क्योंकि जिस धरती पर बारूद बोया जाएगा, वहाँ कभी भी समृद्धि की फसल नहीं उगेगी।

वर्तमान विश्व व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ एक ओर विनाश का रास्ता है और दूसरी ओर सह-अस्तित्व का। आवश्यकता इस बात की है कि मानवता की संकल्पशक्ति, बुद्धिजीवियों की चेतना और राजनेताओं की दूरदर्शिता- तीनों मिलकर इस बारूद के ढेर को जलने से पहले बुझा दें। क्योंकि अगला विश्व युद्ध यदि हुआ, तो वह न केवल भूगोल की सीमाओं को मिटा देगा, बल्कि सभ्यता की आत्मा को भी राख कर देगा और उस राख से कोई भविष्य जन्म नहीं ले पाएगा, केवल पश्चाताप की धूल बचेगी।

नजरिया

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है भूमि के लिए एकजुट 'हमारी विरासत हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अंतिम यात्रा

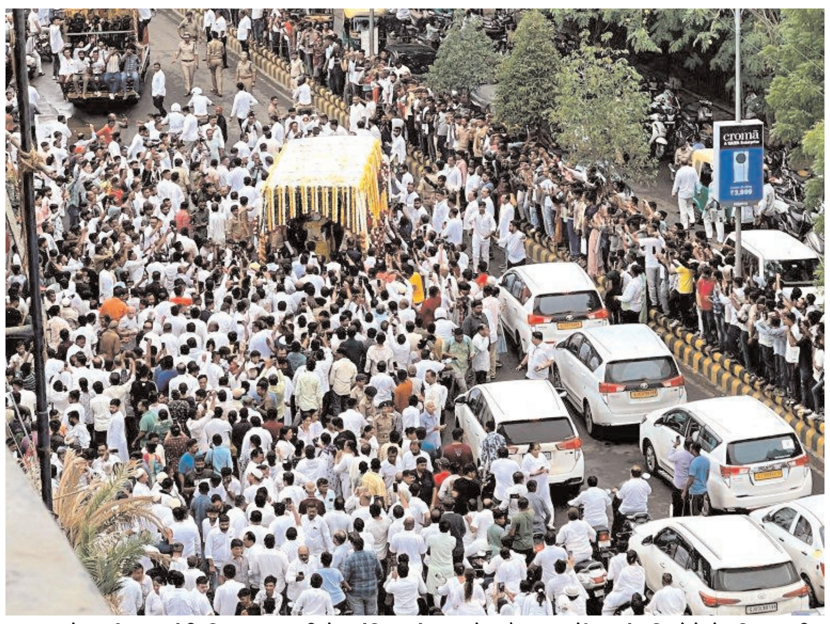
गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए भारी भीड़ उमड़ी।

मास्टरकार्ड और ईवा लाइव ने मिलाया हाथ, 20 से ज़्यादा शानदार लाइव परफॉर्मेंस होंगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत में संगीत को बढ़ावा देने में मास्टरकार्ड महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने लाखों कार्डधारकों के लिए संगीत के अनुभव को मधुर बनाने के लिए मास्टरकार्ड ने प्रमुख लाइव एंटरटेन्मेंट कंपनियों में से एक ईवा (ईवीए) लाइव के साथ साझेदारी की है। इसके तहत अक्टूबर से दिसंबर तक देश के कई शहरों में 20 से ज्यादा शानदार परफॉर्मेंस की जाएंगी। यह पहल 30 अक्टूबर को मुंबई में ग्लोबल पॉप आइकन एनरिक इग्लेसियस के साथ शुरू होगी, जो 13 वर्षों के बाद भारत आ रहे हैं। इसके बाद फैंस एआर रहमान की परफॉर्मेंस और डीजे टिएस्टो तथा अन्य ग्लोबल स्टार्स के हाई एनर्जी सेट्स का आनंद ले सकेंगे।

मास्टरकार्ड के दक्षिण एशिया प्रभाग के अध्यक्ष गौतम अग्रवाल ने कहा, 'ईवा लाइव के साथ मास्टरकार्ड की साझेदारी यादगार लम्हों का निर्माण करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो लोगों के दिलों से जुड़ेगी। साथ ही, यह ब्रांड जुड़ाव को मजबूत करेगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी।' मास्टरकार्ड की एशिया प्रशांत क्षेत्र की मार्केटिंग एवं संचार की कार्यकारी उपाध्यक्ष जूली नेस्टर ने कहा, 'मास्टरकार्ड ने लोगों को अमूल्य संभावनाओं से जोड़ने की शक्तिशाली वैश्विक विरासत का निर्माण किया है। ईवा लाइव के साथ यह सहयोग इस विरासत को आगे बढ़ाएगा, जो हमारे कार्डधारकों के लिए फायदेमंद है।'

ईवा लाइव के संस्थापक और प्रबंध निदेशक दीपक चौधरी ने कहा, 'मास्टरकार्ड के साथ यह महत्त्वपूर्ण सहयोग भारत में लाइव संगीत के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत है। हम राष्ट्रीय लाइव म्यूजिक सीन को बुलंदियों तक पहुंचाने और फैंस एवं कलाकारों के बीच गहरे संबंध को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं।'

मास्टरकार्ड धारकों को होंगे ये फायदे:

- प्रीसेल के दौरान टिकटों तक जल्दी एक्सेस।
- पोस्ट-प्रीसेल में 10 प्रतिशत की छूट।
- मास्टरकार्ड के खास अनुभव, जिसमें कलाकारों से मीट-एंड-ग्रीट और एक्सक्लूसिव मास्टरकार्ड लाउंज शामिल हैं।
- टिकट सभी मास्टरकार्ड कार्ड- क्रेडिट, डेबिट या प्रीपेड का इस्तेमाल कर खरीदे जा सकते हैं।

जसप्रीत बुमराह और संजना गणेशन बने केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के नए ब्रांड एंबेसडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. ने तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और उनकी पत्नी व जानी-मानी खेल प्रस्तोता संजना गणेशन को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस जोड़ी का प्रतिनिधित्व राइज़ वर्ल्डवाइड द्वारा किया जा रहा है।

कंपनी का मानना है कि जसप्रीत और संजना का रिश्ता भरोसे, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता जैसे मूल्यों पर आधारित है, वही मूल्य जो न केवल उनके खेल में उत्कृष्टता की पहचान हैं, बल्कि जीवन बीमा के क्षेत्र की भावना से भी मेल खाते हैं। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के अनुसार, यह रियल-लाइफ दंपति इस सोच को दर्शाता है कि जब ज़रूरत पड़े, तब साथ निभाना ही एक सच्चे पार्टनर की असली पहचान है।

इस अवसर पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अल्टरनेट चैनल्स एवं चीफ मार्केटिंग ऑफिसर ऋषि माथुर कहा, 'जीवन बीमा सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि हर जीवन चरण में साथ निभाने का वादा है। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में हम अपने ग्राहकों की वित्तीय यात्रा में एक भरोसेमंद साथी बनने पर गर्व महसूस करते हैं।'

जसप्रीत बुमराह ने कहा, 'हर वादा, चाहे वह मैदान पर हो या जीवन में, जिम्मेदारी के साथ आता है।

संजना और मैं हमेशा पहले से योजना बनाकर चलने और हर दौर में एक-दूसरे का साथ देने में विश्वास रखते हैं। ऐसे में केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस के साथ यह साझेदारी हमारे लिए एक सहज और स्वाभाविक जुड़ाव जैसा है।'

संजना गणेशन ने कहा, 'मेरे लिए एक सच्चे साथी का मतलब है ऐसा साथ, जिस पर हर परिस्थिति में भरोसा किया जा सके। यही सोच मुझे केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस और उनकी 'प्रॉमिसेज़ का पार्टनर' फिलॉसफी से जुड़ने के लिए प्रेरित करती है।'

हमारा सबसे तेजी से बढ़ता परमाणु भंडार न्यूनतम स्तर पर बना हुआ है : चीन

बीजिंग/भाषा

चीन ने अपने तेज़ी से बढ़ते परमाणु हथियार भंडार को लेकर सफाई दी है कि यह अब भी उसकी न्यूनतम आवश्यकताओं के अनुरूप ही है। चीन ने हालांकि अमेरिका और रूस की बराबरी करने के लिए परमाणु होड़ में शामिल होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह परमाणु हथियारों की किसी दौड़ में शामिल नहीं है, बल्कि उसकी नीति न्यूनतम प्रतिरोध की है।

जानकारी के मुताबिक, चीन हर साल 100 से अधिक नए परमाणु हथियार तैयार कर रहा है और अब उसके पास कुल मिलाकर करीब 600 परमाणु हथियार हो चुके हैं।

एक स्वीडिश विचारक संस्था द्वारा सोमवार को जारी 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (एसआईपीआरआई) के अनुसार, बीजिंग ने 2023 से प्रत्येक वर्ष अपने परमाणु भंडार में 100 अतिरिक्त हथियार जोड़े हैं। उसके मुताबिक, वर्तमान में इसके पास कम से कम 600 हथियार हैं, और ऐसी आशंका है कि यह संख्या आने वाले दशक में बढ़ती रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, चीन के पास दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता परमाणु शस्त्रागार है जहां अधिकांश चीनी परमाणु आयुध को उनके लॉन्चर्स से अलग रखा गया है, वहीं माना जा रहा है कि चीन अब सीमित संख्या में मिसाइलों पर परमाणु हथियार तैनात करना शुरू कर रहा है ठीक उसी तरह जैसे अमेरिका बड़े पैमाने पर करता है। एसआईपीआरआई के अनुमान के मुताबिक, 132 परमाणु आयुध उन लॉन्चर्स को सौंपे गए हैं, जिन पर फिलहाल लोडिंग की प्रक्रिया जारी है। पर्यवेक्षकों के अनुसार, चीन के बढ़ते परमाणु हथियार भंडार का भारत पर भी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि बीजिंग का करीबी सहयोगी पाकिस्तान भी अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम में तेजी ला रहा है।

एसआईपीआरआई की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को मीडिया वार्ता में कहा कि चीन को इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

गुओ ने दोहराया कि चीन ने सदैव आत्मरक्षा की परमाणु रणनीति का पालन किया है तथा किसी भी हथियारों की दौड़ में शामिल हुए बिना अपनी परमाणु क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक न्यूनतम स्तर पर बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि चीन किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियारों का पहले प्रयोग न करने की नीति का सख्ती से पालन करता है तथा गैर-परमाणु राज्यों के खिलाफ परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की धमकी नहीं देता है।

विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ा रहा है जिसका कारण विश्व स्तरीय सैन्य शक्ति बनना है।

मुझे पसंद है आशुतोष का काम, वह हर किरदार को लगन के साथ निभाते हैं: रेणुका शहाणे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता-निर्देशक रेणुका शहाणे नई स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं और इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह अभिनेता, पति आशुतोष राणा की फैन हैं। शहाणे का मानना है कि वह लगन के साथ काम करते हैं, जिसे देखकर उन्हें गर्व होता है। रेणुका ने कहा, मैं एक स्क्रिप्ट लिख रही हूं। उम्मीद है, एक दिन मैं कैमरे के पीछे और आशुतोष उसके सामने होंगे। रेणुका ने हालिया फिल्म 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में आशुतोष के निभाए किरदार की तारीफ की। राणा ने चंद बरदाई की भूमिका निभाई थी। रेणुका ने उनकी एक्टिंग को सराहते हुए कहा, मुझे आशुतोष का काम पसंद है। वह एक गजब के अभिनेता और व्यक्तित्व हैं। वह हर किरदार को पूरी लगन और प्रतिभा के साथ निभाते हैं। मुझे उनकी एक्टिंग देखना हमेशा अच्छा लगता है। उनकी पत्नी होने के नाते मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं।

अल्लू अर्जुन को गद्दार अवॉर्ड्स में मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

हैदराबाद/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार अल्लू अर्जुन को गद्दार अवॉर्ड्स में फिल्म पुष्पा 2: द रूल के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। अल्लू अर्जुन ने अपनी स्टारडम को पूरी दुनिया में साबित कर दिया है। पुष्पा 2: द रूल की सुपर सफलता के बाद उन्होंने जो फेनोमेना क्रिएट किया, वो अब भी बरकरार है क्योंकि उन्होंने गद्दार तेलंगाना फ़िल्म अवॉर्ड्स में पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीत लिया है। अल्लू अर्जुन ने गद्दार तेलंगाना फिल्म अवॉर्ड्स में धूम मचा दी। अल्लू अर्जुन ने ना सिर्फ पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अपने नाम किया, बल्कि 'पुष्पराज' बनकर फिर से सबका दिल जीत लिया। फैंस उन्हें देखकर झूम उठे। मेकर्स ने इस बड़ी जीत का जश्न मनाया और अवॉर्ड फंक्शन की झलकियां शेयर करते हुए लिखा,शानदार परफॉर्मेंस, और उतना ही लायक सम्मान!हमारे प्यारे आईकॉन स्टार अल्लूअर्जुनगारू को गद्दारअवार्डस2024 में पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीतने पर ढेरों बधाइयाँ। पुष्पराज की गूंज अब भी जारी है, तालियों से लेकर अवॉर्ड तक सब जीत रहे हैं। तेलंगाना सरकार और गद्दार तेलंगाना फिल्मअवार्डसकी जूरी का दिल से धन्यवाद।

अभिनेत्री अमायरा दस्तूर सोमवार को मुंबई में हवाई अड्डे के प्रस्थान टर्मिनल पर पहुँचीं।

फिल्म 'हाउसफुल 5' ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। बॉलीवुड फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त 06 जून को रिलीज हुयी है। इस फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ,रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस,सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े,चित्रांगदा सिंह,डीनो मोरिया,चंकी पांडे, जॉनी लीवर, निकितेन धीर,सौंदर्या शर्मा, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर जैसे सितारे हैं। फिल्म 'हाउसफुल 5 दो अलग-अलग क्लाइमैक्स के साथ रिलीज की गयी है। हाउसफुल 5' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा बरकरार है। हर दिन फिल्म पर झमाझम नोटों की बारिश हो रही है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'हाउसफुल 5' ने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 127.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। वहीं, आठवें दिन फिल्म ने 06 करोड़ और नौवें दिन 9.5 करोड़ की कमाई की। वहीं, अब दसवें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म हाउसफुल 5 ने दसवें दिन 11 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म हाउसफुल 5 भारतीय बाजार में 10 दिनों में 153 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।

प्रभास की 'द राजा साब' के लिए बना 41,256 स्क्वायर फीट का हवेली सेट

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार प्रभास की आने वाली फिल्म 'द राजा साब' के लिए 41,256 स्क्वायर फीट का हवेली सेट बनाया गया है। रिबेल स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म द राजा साब का भूतिया हवेली सेट, 41,256 स्क्वायर फीट में बना है। इस भव्य हवेली को जाने-माने आर्ट डायरेक्टर राजीवन नांबियार ने डिजाइन किया है। राजीवन ने कहा, हमने बस डरावना दिखाने के लिए सेट नहीं बनाया।

हमने ऐसा कुछ रचा जो महसूस हो सके। हम चाहते थे कि जो भी इसमें कदम रखे, वो उसी पल इसकी गिरफ्त में आ जाए। मारुति, जो अपने यूनीक हॉरर-फैंटेसी टच के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने स्केल और इमोशन को मिलाकर एक ऐसा अनुभव रचा है जो स्क्रीन पर नहीं, सीधे नसों में दौड़ता है। यहाँ हर पत्थर, हर परछाईं, हर दीवार का शेड सब कुछ खास तौर पर इस अनुभव को गहरा बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहां तक कि फर्श तक डर पैदा करता है। 'द राजा साब', पीपुल मीडिया फैक्ट्री द्वारा प्रस्तुत और विस्वा प्रसाद द्वारा निर्मित है। यह फिल्म पांच दिसंबर 2025 को पांच भाषा तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। इस फिल्म का संगीत थमन एस का है।

शनाया कपूर ने 'आंखों की गुस्ताखियां' का पहला लुक टेस्ट याद किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का पहला लुक टेस्ट याद किया है। संजय कपूर के बेटी शनाया कपूर फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है। शनाया कपूर ने सोशल मीडिया पर पर एक क्यूट सा थ्रोबैक शेयर किया है। यह वीडियो उस दिन का है जब शनाया ने 'आंखों की गुस्ताखियां' के लिये पहली फिटिंग्स की थी। ब्राउन फिटेड टॉप, स्टेटमेंट लेदर कार्गो और शियरलिंग जैकेट में शानाया नेक्सट जेनेरेशन ड्रीम गर्ल लग रही थी। उनकी मुस्कान बता रही थी कि ये जर्नी कितनी स्पेशल होने वाली है। बैकग्राउंड में विशाल मिश्रा का दिल छू लेने वाला गाना 'नज़ारा' बज रहा था। शनाया ने कैप्शन में लिखा, पहला दिन, पहली फिटिंग और वो पहली वाली एक्साइटमेंट, आंखों की गुस्ताखियां।

ज़ी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत और मानसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स द्वारा निर्मित, आँखों की गुस्ताखियाँ का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला ने लिखा है। विशाल मिश्रा ने इसका संगीत दिया है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर अभिनीत यह रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार है।

'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने निभाया 100 साल की महिला का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने अपनी आने वाली फिल्म द बंगाल फाइल्स' में 100 साल की महिला का किरदार निभाया है। पल्लवी जोशी अब 'द बंगाल फाइल्स' से स्क्रीन पर दमदार वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में उनका अहम रोल है और इसे निर्देशित किया है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने। फिल्म को अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म भारत के इतिहास के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाएगी, जिन पर अब तक ज़्यादा बात नहीं हुई है। विवेक की पिछली फिल्मों की तरह इसमें भी समाज से जुड़ी कहानियों को मजबूती से दिखाया गया है। पल्लवी, जो हमेशा गहराई और भावनाओं से भरे किरदारों के लिए जानी जाती हैं, इस बार 'मां भारती' का रोल निभा रही हैं। ये किरदार देश की ममता, मासूमियत और जज़्बे का प्रतीक है। लेकिन इस रोल को पर्दे पर उतारना आसान नहीं था, क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें हैं और हर एक को सच्चाई से दिखाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी।

पल्लवी जोशी ने बताया, ये मेरी ज़िंदगी के सबसे मुश्किल रोल्स में से एक था। बूढ़ा दिखना आसान नहीं होता। ज़्यादातर प्रोस्थेटिक्स से मैं डरावनी लग रही थी, जबकि हमें एक ऐसा चेहरा चाहिए था जो मासूम और प्यारा लगे। मां भारती को गर्मजोशी और अपनापन दिखाना था। पल्लवी जोशी ने कहा,मेरे पास बस एक ही रेफ़रेंस था, मेरी दादी। मुझे वो बहुत बूढ़ी याद हैं लेकिन उतनी ही प्यारी भी। हमने इस लुक पर करीब छह महीने तक काम किया। इस दौरान मैंने स्किन केयर पूरी तरह छोड़ दी ताकि मेरी त्वचा रूखी दिखे। हर दिन मैं मां भारती के किरदार और उनकी डिमेंशिया को लेकर काम करती रही, जब तक कि वो मेरी आदत में शामिल नहीं हो गया। हमारी टेक्निकल टीम ने भी इस लुक और रोल को रियल बनाने में पूरा साथ दिया। और जो आख़िरी नतीजा आया है, वो सबके सामने है। 'द बंगाल फाइल्स' को लिखा है विवेक रंजन अग्निहोत्री ने और इसे प्रोड्यूस किया है अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार नज़र आएंगे। तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा द्वारा पेश की जा रही यह फिल्म, विवेक की 'फाइल्स ट्रिलॉजी' का हिस्सा है, जिसमें पहले 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द ताशकंद फाइल्स' आ चुकी हैं। 'द बंगाल फाइल्स' 05 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम् में तेरापंथ विद्यालय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ माधावरम् ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के दौरान शनिवार को विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यशाला में 60 ज्ञानार्थियों और 25 प्रशिक्षिकों ने भाग लिया। इस मौके पर प्यारेलाल पितलिया, उगमराज सांड, मनोहर लाल हिरण, सभा अध्यक्ष अशोक खतंग, माधवराम ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष घीसूलाल बोहरा, ज्ञानशाला प्रभारी राजेश सांड, सुरेश रांका, प्रवीण सुराणा आदि उपस्थित थे।

छाछ वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पुरुषवाक्कम स्थित श्री वर्धमान जैन नवयुवक मंडल द्वारा वर्ष 2025 के अंतिम छाछ कार्यक्रम का आयोजन 15 जून को किया गया। ताना स्ट्रीट स्थित स्थानक के समक्ष लगभग ढाई हजार से अधिक गिलास छाछ का लोगों को वितरण किया गया। इसके प्रायोजक विशाल आरती बाई सुराणा चूलै रहे।

दिव्यांगों को कृत्रिम अंग वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आदिनाथ ट्रस्ट द्वारा आदिनाथ जैन सेवा केंद्र में जरुरतमंदों को सहायता सामग्री का वितरण किया गया। मोहन मनोज जैन के परिवार रानूलॉल देवराज प्रकाशचंद गुलेछा के सहयोग से एवं अतिथि राज्य के मंत्री शेखरबाबू 57 वार्ड के पार्षद राजेश जैन 'रंगीला', धनराज कोचर, सुरेश जैन, प्रकाश खत्री, दीपक, लाभार्थी परिवार से प्रकाशचंजी गुलेछा आदि उपस्थित रहे।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. मनोज जैन, द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। जिसमें उन्होंने ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध दिए जानेवाले कृत्रिम अंगों एवम अन्य उपलब्धियों एवम गतिविधियों के बारे में विशेष जानकारी दी। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल,व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर, वॉकिंग स्टीक, कृत्रिम अंग, चश्मे आदि अनेक जरूरत सामग्री हित में बांटी गई। इस मौके पर आदिनात मेडिकल डिकाउन्य कार्ड के अनेक सहयोगियों का मंत्री शेखरबाबू ने सम्मानित किया। डॉ. मनोज जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गौरतलब है कि ट्रस्ट द्वारा गत 42 सालों से नि:स्वार्थ भाव से सेवा कार्य किए जा रहे हैं।

कभी किसी को नीचा नहीं दिखाना चाहिए : कमलमुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के चिंताद्री पेट जैन स्थानक भवन में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी 'कमलेश' ने सोमवार को कहा कि आध्यात्मिक साधना का लक्ष्य आत्म कल्याण के बजाय किसी को नीचा दिखाने की दुर्भावना से किया जाता है, तो वह अभिशाप बनेगा। उन्होंने कहा कि अपने से किसी को नीचा मानना, हीन मानना उपेक्षा करना, साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। उन्होंने कहा कि जिसके माध्यम से अहंकार का पोषण होता हो, वह अमृत जैसी साधना भी जहर के रूप में परिवर्तन हो जाएगी।

मुनि कमलेश ने बताया कि दूसरों को नीचा समझने वाला सबसे महान नीच है और वह धर्म और मानवता का दुश्मन है। महापुरुषों ने कभी किसी को हल्का मानकर अवहेलना नहीं की। राष्ट्रसंत ने कहा कि ऊंच और नीचे के दुर्भाव से राग द्वेष की ज्वाला अंदर मन में भड़कती है। हमारे सद्गुण नष्ट हो जाते हैं। धर्म का दिवाला निकल जाता है। जैन संत ने बताया जो दूसरों में महानता के दर्शन करेगा और उसमें महानता का निर्माण होगा। दूसरों के निमित्त से शुभाशुभ- भावों का निर्माण होता है उसी से कर्मबंध और क्षय होते हैं।

महासती कृपाश्रीजी ने कहा कि वस्तु अच्छी और बुरी नहीं होती है। उसको देखकर जिनके दिलों में जैसी भावना होगी उसे वैसा ही लाभ मिलेगा। स्थानकवासी परंपरा के कमलमुनि जी कमलेश एवं श्वेतांबर जैन मूर्ति पूजक परंपरा की महासती कृपांश्रीजी दो धाराओं का आध्यात्मिक मधुर मिलन हुआ देखकर जनता की आंखें भक्ति से छलक पड़ी। संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता शांतिलाल सिंघवी, प्रकाश धारीवाल, राजकुमार कोठारी, भंवर लाल चोपड़ा, उत्तम चंद लालवानी, मूलचंद खरीवाल, अरुण बरडिया आदि ने संतों का स्वागत किया। 17 जून को पुरुषवाक्कम के एमकेएम सभागार में राष्ट्रसंत कमल मुनिजी के प्रवचन होंगे।

पाठ्य सामग्री वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर जैन ग्रुप एवं श्री नाकोड़ा मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में चेन्नई के आलथुर गांव स्थित उधवुम ननबरगल स्कूल के बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इस सेवा कार्य में छात्रों को टेक्स्ट बुक्स, नोटबुक्स, ज्योमेट्री बॉक्स, ड्राइंग बुक्स, पेन-पेंसिल सेट आदि शिक्षण सामग्री प्रदान की गई।

इस आयोजन के लाभार्थी काला भैरव चैरिटेबल ट्रस्ट रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर जैन ग्रुप के अध्यक्ष निरूमला वशंत छल्लाणी ने की।

उन्होंने जानकारी दी कि इस आयोजन में सेक्रेटरी सुनीता बांडारी, महावीर, वशंत छल्लाणी समेत समूह के अन्य सक्रिय सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

छात्रवृत्ति योजना को लेकर पहचान चेरिटेबल ट्रस्ट की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पहचान चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जरुरतमंद एवं मेधावी छात्रों को अनुदान देने का विशेष अभियान चरम स्तर पर चलाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न दानदाताओं के सहयोग से एकत्रित 51 लाख की धनराशि, 1000 छात्र-छात्राओं में 22 जून को तेनमपेट स्थित कामराज अरंगम् में चेक द्वारा वितरित की जायेगी।

ट्रस्ट द्वारा विगत वर्षों में अब तक 5 करोड़ रुपये की धन राशि वितरित की जा चुकी है। इस वर्ष सबसे ज्यादा संग्रहित धन राशि वितरित की जायेगी, जो पहचान चेरिटेबल ट्रस्ट का एक रिकॉर्ड होगा।

पहचान चेरिटेबल ट्रस्ट विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जैसे बादलचंद सुगनकंवर ट्रस्ट, जवाहरमल चंदन द्वारा शिक्षा ऋण योजना, एम. अगरचंद चोरड़िया स्नातक शिक्षा योजना, श्रीमती पानीदेवी मोहनलाल मुथा बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ योजना एम.आई. लाइफ स्टाइल प्राथमिक शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, उगता फाउण्डेशन द्वारा दत्तक ग्रहण योजना, मनोहरराज कमलादेवी कांकरिया द्वारा जैन छात्रवृत्ति योजना, (द पेटर्न गुरु) प्रकाशचंद खिंवसरा द्वारा दिव्यांग छात्र-छात्राओं एवं अनोपचंद भिड़कचा द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं देवीचंद रांका द्वारा हजार छात्र-छात्राओं को स्कूल किट एवं गरीब-वंचित बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। यह जानकारी मेनेजिंग ट्रस्टी किशोर कुमार नाहर एवं संस्था के अध्यक्ष हरीश कुमार चौरड़िया ने दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तीर्थ दर्शन

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका के अभ्यासकों के लिए लाभार्थी संघवी ललितादेवी पुखराज शाह के सौजन्य से टुमकूर रोड स्थित श्री आदि संस्कार, मंदारगिरी आदि के तीर्थो का दर्शन वंदन, पूजा पाठ, स्नात्र पूजा आदि का आयोजन किया गया। परिषद व ज्ञान वाटिका की अध्यक्ष आरती जैन ने लाभार्थी परिवार को धन्यवाद दिया। बच्चों को देव दर्शन के साथ साथ धार्मिक खेलकूद का भी आनंद उठाया। चंद्रिका बोहरा, सुरेखा धारीवाल, परमेश्वरी संखलेचा आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

बीजेएस मैसूरु ने मनाया पितृ दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) द्वारा रविवार को पितृ दिवस मनाया गया। अध्यक्ष राजन बाघमार ने सभी का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष अशोक सालेचा ने एक बच्चे पर माता-पिता के उपकार, उनके ऋण, उनकी महत्ता पर स्वरचित कविता सुनाई। मुख्य सचिव दीपक बोहरा ने कहा कि पिता की छाया में ही हम सबकी दुनिया सुरक्षित है। पिता की की छाया मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कविता के माध्यम से भी पिता के उपकारों को याद किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध दूरदर्शन कलाकार हर्ष नागपाल ने विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम, खेलकूद, चर्चाओं के माध्यम से सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम की संयोजिका उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा एवं महिला इकाई की सचिव सीमा बोहरा ने व्यवस्था संभाली। बीजेएस के उपाध्यक्ष नेमीचंद बड़ोला, सचिव नवरतनमल पितलिया सहित महिला शाखा के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

नेत्र शिविर में 25 लोगों की हुई जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा रविवार को 2856 वां नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर तंडियारपेट स्थित तेरापंथी भवन में लगाया गया। अग्रवाल आई अस्पताल की चिकित्सकीय टीम ने 25 लोगों की आंखे की जांच की जिनमें 2 लोगों की आंखों में मोतियाबिंदु का नि:शुल्क शल्य चिकित्सा कराई जाएगी।

साथ ही 21लोगों को चश्में बनाकर दिए गए 9 मरीजों के रक्तचाप वे मधुमेह की जॉच की गई। 6 लोगो को आँखों की दवाई वितरण की गई।

शिविर में नेत्र शिविर निदेशक पूनमचन्द मांडोत, नरेश खींचा, मदनलाल डुंगरवाल, उगमराज डागा आदि का सहयोग रहा।

जैनेतर प्रवासी समुदाय के लिए नरेशमुनि का प्रवचन व सत्संग कार्यक्रम 29 को

विश्वकर्मा जांगीड़ भवन में होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के तत्वावधान में रविवार को गोड़वाड़ भवन में आयोजित एक बैठक में 14 प्रवासी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत के नेतृत्व में बैठक में सबसे पहले अहमदाबाद के हवाई हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संघ के सहसचिव केवलचंद सालेचा की टीम ने नमंगलाचरण किया। जांगीड़ समाज के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल जांगीड़, अध्यक्ष कीरताराम जांगीड़, पटेल समाज के सचिव भीमाराम पटेल, विश्नोई समाज के अध्यक्ष मालाराम विश्नोई, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल व अध्यक्ष भवराज राजपुरोहित ने सभी का स्वागत किया।

जवरीलाल लुनावत ने बताया कि जैन स्थानकवासी संत नरेशमुनिजी का इस वर्ष का चातुर्मास बेंगलूरु में होना तय है। कुछ दिन पहले आयोजित बैठक में जैन संत नरेशमुनिजी ने कहा था कि वे (संतश्री) चाहते हैं कि चातुर्मास शुरू होने से पहले बेंगलूरु में विभिन्न समाज के किसी एक भवन में विभिन्न प्रवासी समुदाय के लोगों के लिए प्रवचन का आयोजन किया जाए और चातुर्मास के चार माह में विभिन्न समाज के लोग भी उनके प्रवचन का श्रवण करें। लुनावत ने बताया कि इस मुद्दे पर विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा हुई और निर्णय लिया गया कि 29 जून को सुबह बिन्नीपेट स्थित विश्वकर्मा जांगीड़ भवन में सत्संग का आयोजन किया जाए। इस सत्संग कार्यक्रम में विभिन्न भजन मंडलियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी। तत्पश्चात संतश्री का प्रवचन होगा। लुणावत ने उपस्थित सभी समाज के लोगों से उनके समाज की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए निवेदन किया।

कार्यक्रम में मरुधरा जैन नवयुवक मंडल, महाराणा प्रताप नवयुवक मंडल व आंजणा पटेल समाज के नवयुवक मंडल अपनी सेवाएं देंगे। बैठक में राजपूत समाज, कर्नाटक पेपर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण लुकड़, उपाध्यक्ष प्रदीप लुनावत, गौड़ ब्राह्मण समाज, गोड़वाड़ भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया, देवासी समाज, घांची समाज, पटेल समाज, नाथ समाज, रावणा राजपूत समाज, विश्नोई समाज, कुमावत समाज, दर्जी समाज, जाट समाज, चारण समाज, जांगीड़ समाज, गोस्वामी समाज, वैष्णव समाज, राजपुरोहित समाज व जैन समाज के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित थे। अंत में नाथूराम पटेल, राजेन्द्रसिंह कुंपावत व अभिषेक परिहार ने सभी को धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.